

हाथी दिवस पर विशेष: उत्तराखंड में झोलियां भी भरते हैं हाथी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में यमुना से लेकर शारदा नदी तक राजाजी व कार्बेट टाइगर रिजर्व समेत 13 वन प्रभागों के 6643.5 वर्ग किमी में फैले जंगलों में हाथी केवल पारिस्थितिकी तंत्र के प्रहरी ही नहीं, बल्कि पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रहे हैं।

हर साल ही पर्यटक सीजन (15 नवंबर से 15 जून) में इनके दीदार को राजाजी और कार्बेट में बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। एशियाई हाथियों की प्रमुख सैरगाह राजाजी टाइगर रिजर्व को ही लें तो पिछले सीजन में रिजर्व को 3.46 करोड़ रुपये का राजस्व मिला।

इसके साथ ही रिजर्व से सटी ईको विकास समितियों के अलावा आसपास के होटल-रिसार्ट, होम स्टे संचालकों को भी ठीकठाक आय हुई। ऐसा ही परिदृश्य कार्बेट टाइगर रिजर्व का भी है।

राष्ट्रीय विरासत पशु हाथी के संरक्षण को लेकर राज्य में उठाए गए कदमों का ही परिणाम है कि इनकी संख्या निरंतर बढ़ रही है। वर्ष 2007 में यहां हाथियों की संख्या 1346 आंकी गई थी, जो वर्ष 2020 में हुई पिछली गणना में बढ़कर 2026 पहुंच गई।

यही नहीं, अब हाथी गणना हो चुकी है, जिसके परिणाम जल्द जारी होंगे। राजाजी टाइगर रिजर्व के निदेशक कोको रोसे के अनुसार हाथी संरक्षण को पूरी गंभीरता से कदम उठाए जा रहे हैं।

राजाजी में सैलानियों के लिए अब हाथी सफारी भी आकर्षण का केंद्र बनी है। वहां पिछले साल से दो रूट पर हाथी सफारी कराई जा रही है। इसके लिए दो हाथिनियों राधा व रंगीली की सेवाएं ली जाती हैं।

इस रिजर्व में पालतू हाथियों की संख्या नौ है। वर्षाकाल में ये हाथी जंगल की सुरक्षा के दृष्टिगत गश्त में सेवाएं देते हैं। इसी प्रकार कार्बेट टाइगर रिजर्व में 14 पालतू हाथी हैं, जो सफारी व सुरक्षा में सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

राजाजी व कार्बेट टाइगर रिजर्व, देहरादून, लैंसडैन, कालसी, हरिद्वार, नरेंद्रनगर, तराई पूर्वी, तराई केंद्रीय, रामनगर, हल्द्वानी, तराई पश्चिमी व चंपावत वन प्रभाग।

बारिश की कमी का अनुमान लगाएगा एआई ट्रैकर



वैज्ञानिकों की टीम ने इस ऑनलाइन सॉफ्टवेयर को 'अल नीनो एंड खरीफ ट्रैकर' नाम दिया है। बारिश की कमी से किसानों और सरकार की चिंता के बीच भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान देहरादून के वैज्ञानिकों ने एआई तकनीक आधारित ऐसा सॉफ्टवेयर विकसित करने का दावा किया है, जो बारिश की कमी का अनुमान लगाने के साथ कम पानी वाली वैकल्पिक फसलों का सुझाव भी देगा।

वैज्ञानिकों की टीम ने इस ऑनलाइन सॉफ्टवेयर को 'अल नीनो एंड खरीफ ट्रैकर' नाम दिया है। नासा और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सैटेलाइट से मिलने वाली मौसम संबंधी जानकारी के आधार पर यह भारत के किसी भी जिले या क्षेत्र में बारिश की कमी का लगभग सटीक अनुमान लगा सकेगा।

किसान स्मार्टफोन से अपनी लोकेशन साझा कर या लोकेशन कॉलम में क्षेत्र का नाम दर्ज कर वहां बारिश की स्थिति की जानकारी ले सकेगें। इसे व्हाट्सएप या ईमेल से अन्य किसानों के साथ साझा भी किया जा सकेगा। फिलहाल इसके इस्तेमाल के लिए कोई शुल्क नहीं होगा।

डॉ. सादिकुल इस्लाम, डॉ. राजेश कौशल और डॉ. शाकिर अली की टीम ने इसे विकसित किया है। डॉ. सादिकुल इस्लाम ने बताया कि सॉफ्टवेयर किसी क्षेत्र में बारिश की संभावना के साथ भारी कमी या बाढ़ की आशंका की जानकारी देकर किसानों को समय रहते सावधान कर सकेगा।

यह प्रति हेक्टेयर बारिश की कमी का अनुमान लगाकर फसलों को होने वाले नुकसान की जानकारी भी देगा। इससे किसान नुकसान कम करने या वैकल्पिक फसल पर विचार कर सकेगें। फिलहाल यह खरीफ फसलों पर केंद्रित है, बाद में रबी फसलों की जानकारी भी ली जा सकेगी। सॉफ्टवेयर अभी प्रायोगिक तौर पर उपलब्ध है और इसका प्रमाणीकरण होना बाकी है।

मिट्टी के तापमान, हवा में नमी, बारिश की संभावना और अगले एक सप्ताह के मौसम के अनुमान के आधार पर सॉफ्टवेयर किसानों को खरीफ फसलों की बुवाई का उपयुक्त समय बताएगा, ताकि बेहतर पैदावार हासिल की जा सके।

200 किलो प्रतिबन्धित मांस के साथ एक गिरफ्तार, दो फरार

मंगलौर, एजेंसी। कोतवाली पुलिस ने देर रात जैनपुर जंजेडी के जंगल में गन्ने के खेत में चल रही गोकशी का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को रंगे हाथों दबोच लिया। मौके से भारी मात्रा में गोमांस और कटाई के उपकरण बरामद किए गए हैं, जबकि अंधेरे का फायदा उठाकर दो आरोपी फरार हो गए।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कोतवाली पुलिस को मुखबिर् से सूचना मिली थी कि जैनपुर जंजेडी गांव के जंगल में कुछ सदिग्ध लोग अवैध गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। सूचना पर पुलिस के पहुंचते ही जंगल में हड़कंप मच गया। पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से एक आरोपी सईद, निवासी लंबौरा को पकड़ लिया। हालांकि उसके दो अन्य साथी, सुलेमान व मुन्ना जो जोरासी जबरदस्तपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं, पुलिस को चकमा देकर अंधेरे का लाभ उठाकर फरार होने में सफल रहे। तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से लगभग 200 किलोग्राम प्रतिबन्धित मांस के साथ-साथ तेजधार हथियार और अन्य कटाई के उपकरण भी बरामद किए हैं। पुलिस ने सभी उपकरणों और मांस को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अभिनय चौधरी ने बताया कि तीन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पकड़े गए आरोपी सईद का चालान कर दिया गया है।

रील्स के दौर में ‘हुड़के’ की थाप! रामनगर के 3 सती भाइयों की ‘पहाड़ी जुगलबंदी’, पढ़ाई के साथ परंपरा का संगम

रामनगर, एजेंसी। सोशल मीडिया पर आज जहां ट्रेंडिंग गानों और आधुनिक संगीत का बोलबाला है, वहीं नैनीताल जिले के रामनगर के तीन युवा अपनी जड़ों से जुड़े संगीत को नई पहचान देने में जुटे हैं. हारमोनियम, तबला, हुड़का और दूसरे वाद्य यंत्रों के साथ उत्तराखंडी लोक गीतों की इनकी प्रस्तुतियां सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रही है. खास बात यह है कि ये तीनों सिर्फ गायक या वादक नहीं, बल्कि एक ही परिवार से जुड़े तीन युवा हैं, जिन्होंने पढ़ाई के साथ पहाड़ की लोक संस्कृति को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया है.

रामनगर के सुयश सती, हर्षित सती और प्रांजल सती तीनों भाई हैं. इन दिनों अपनी संगीत प्रस्तुतियों को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं. तीनों अलग-अलग वाद्य यंत्रों के साथ उत्तराखंडी लोक गीतों की प्रस्तुति देते हैं. उनकी कोशिश है कि पहाड़ की लोक संस्कृति और पारंपरिक संगीत केवल गांवों और पहाड़ तक सीमित न रहे, बल्कि

सोशल मीडिया के माध्यम से नई पीढ़ी तक भी पहुंचे.

सुयश सती रामनगर निवासी हैं और वर्तमान में बीटेक की पढ़ाई कर रहे हैं. तकनीकी शिक्षा के साथ उनका संगीत के प्रति लगाव लगातार बढ़ रहा है. वहीं हर्षित सती इंटरमीडिएट के छात्र हैं, जबकि प्रांजल सती संस्कृत विद्यालय से इंटरमीडिएट की पढ़ाई कर रहे हैं.

सुयश और हर्षित सगे भाई हैं. उनके पिता धीरज सती प्राइवेट सेक्टर में कार्यरत हैं. जबकि मां हेमा सती निजी शिक्षिका हैं. वहीं प्रांजल सती उनके ताऊजी के बेटे हैं. प्रांजल के पिता प्रकाश सती चाय की दुकान चलाते हैं और उनकी मां गृहिणी हैं. अलग-अलग पारिवारिक परिस्थितियों से आने के बावजूद तीनों का संगीत के प्रति जुनून एक जैसा है.

तीनों युवाओं ने रामनगर के स्वर साधना संगीत विद्यालय से मोहन पाठक से संगीत की शिक्षा ग्रहण की है. संगीत सीखने के बाद इन तीनों ने अपनी प्रस्तुतियों को



सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करना शुरू किया. कुछ ही समय में स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहर के लोगों से भी उनकी प्रस्तुतियों को तारीफ मिलने लगी.

हम तीनों भाई चाहते हैं कि आज की युवा पीढ़ी सोशल मीडिया पर केवल ट्रेंडिंग चीजों तक सीमित न रहे. उत्तराखंड की कुमाऊं-गढ़वाली बोली, लोकगीत और संस्कृति से भी युवा जुड़े रहे. इसी सोच के साथ हम पढ़ाई के साथ

संगीत को भी आगे बढ़ा रहे हैं. अभी हमें संगीत के क्षेत्र में ज्यादा समय नहीं हुआ है, लेकिन लोगों का प्यार और प्रोत्साहन लगातार मिल रहा है.

दरअसल, आज सोशल मीडिया युवाओं के लिए मनोरंजन और अभिव्यक्ति का बड़ा माध्यम बन चुका है. ऐसे में इन तीनों युवाओं ने इसी प्लेटफॉर्म को अपनी संस्कृति से जोड़ने का जरिया बनाया है. इनका कहना है

अस्थायी दुकानें हटाने पर भड़का व्यापारियों का आक्रोश, हेलीपैड पर धरना, बोले-रोजी रोटी पर संकट

रुद्र प्रयाग, एजेंसी। केदारनाथ धाम में अस्थायी दुकानों को हटाने की कार्रवाई को लेकर व्यापारियों और प्रशासन के बीच विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। व्यापारियों ने कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इन दुकानों से कई स्थानीय लोगों की रोजी-रोटी जुड़ी है और इन्हें हटाने से उनकी आजीविका प्रभावित होगी।

केदारनाथ धाम में अस्थायी दुकानें संचालित कर रोजगार कर रहे व्यापारियों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है। मंदिर मार्ग से अस्थायी दुकानों को हटाए जाने की कार्रवाई के विरोध में व्यापारियों ने शनिवार को हेलीपैड पहुंचकर धरना शुरू कर दिया। व्यापारियों के हेलीपैड पर बैठ जाने से प्रशासन के सामने भी स्थिति को संभालने की चुनौती खड़ी हो गई है।

बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से मंदिर मार्ग पर अस्थायी दुकानें लगाकर कारोबार कर रहे व्यापारियों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि इन दुकानों के माध्यम से



स्थानीय लोग लंबे समय से अपनी आजीविका चला रहे हैं। दुकानों को हटाए जाने से उनका रोजगार प्रभावित हो रहा है और उनके सामने आर्थिक संकट की स्थिति पैदा हो गई है। शनिवार को प्रशासन की टीम मंदिर मार्ग पर पहुंची और अस्थायी दुकानें संचालित कर रहे व्यापारियों

को हटाने का प्रयास किया। कार्रवाई के दौरान व्यापारियों में नाराजगी बढ़ गई। इसके बाद बड़ी संख्या में व्यापारी हेलीपैड पहुंच गए और वहीं धरने पर बैठ गए।

व्यापारियों के हेलीपैड पर धरना देने की सूचना से प्रशासनिक अमले में भी हलचल बढ़ गई।

पड़ोसियों से हुए विवाद में दो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

हरिद्वार, एजेंसी। सिड्कुल थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुरी रावली महदूद स्थित पवन पुत्र कॉलोनी में नाली का पानी बंद करने पर हुए विवाद में पुलिस ने दो भाइयों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, चंदन टण्डा निवासी पलना, पोस्ट ऑफिस धौरा अल्मोड़ा ने पड़ोस में रहने वाले दो भाइयों शुभम शर्मा और अमन शर्मा निवासी ग्राम जगदीपुर, थाना फेफना, ब्लॉक गढ़वार, जिला बलिया हाल पवन पुत्र कॉलोनी, ब्रह्मपुरी रावली महदूद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। डीजीपी को दी गई तहरीर में चंदन ने बताया कि उसने वर्ष 2018 में पवन पुत्र कॉलोनी, ब्रह्मपुरी रावली महदूद में संपत्ति खरीदी थी। वर्ष 2021 में मकान बनाने के बाद वह अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ वहीं रह रहे हैं। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले शुभम शर्मा और अमन शर्मा उससे और उसके परिवार से रंजिश रखने लगे।

अस्थायी दुकानें हटाने पर भड़का व्यापारियों का आक्रोश, हेलीपैड पर धरना, बोले-रोजी रोटी पर संकट

केदारनाथ/रुद्रप्रयाग, एजेंसी। केदारनाथ धाम में अस्थायी दुकानें संचालित कर रोजगार कर रहे व्यापारियों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है। मंदिर मार्ग से अस्थायी दुकानों को हटाए जाने की कार्रवाई के विरोध में व्यापारियों ने शनिवार को हेलीपैड पहुंचकर धरना शुरू कर दिया। व्यापारियों के हेलीपैड पर बैठ जाने से प्रशासन के सामने भी स्थिति को संभालने की चुनौती खड़ी हो गई है।

बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से मंदिर मार्ग पर अस्थायी दुकानें लगाकर कारोबार कर रहे व्यापारियों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि इन दुकानों के माध्यम से स्थानीय लोग लंबे समय से अपनी आजीविका चला रहे हैं। दुकानों को हटाए जाने से उनका रोजगार प्रभावित हो रहा है और उनके सामने आर्थिक संकट की स्थिति पैदा हो गई है।

प्रशासन की ओर से व्यापारियों से बातचीत कर

स्थिति सामान्य करने के प्रयास

शनिवार को प्रशासन की टीम मंदिर मार्ग पर पहुंची और अस्थायी दुकानें संचालित कर रहे व्यापारियों को



हटाने का प्रयास किया। कार्रवाई के दौरान व्यापारियों में नाराजगी बढ़ गई। इसके बाद बड़ी संख्या में व्यापारी हेलीपैड पहुंच गए और वहीं धरने पर बैठ गए।

व्यापारियों के हेलीपैड पर धरना देने की सूचना से प्रशासनिक अमले में भी हलचल बढ़ गई। प्रशासन की ओर से व्यापारियों से बातचीत कर स्थिति सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कैंची धाम में भारी भीड़ से लगा जाम:

यात्री तीन घंटे से अधिक फंसे; अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ समेत कई रूट पर परेशानी

नैनीताल, एजेंसी। वीकेंड के चलते कैंची धाम आने वाले श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही से शुक्रवार को भीमताल से कैंची धाम तक घंटों जाम लगा रहा। यात्रियों और सैलानियों को तीन घंटे से अधिक जाम का सामना करना पड़ा।

वीकेंड के चलते कैंची धाम आने वाले श्रद्धालुओं की आवाजाही के चलते शुक्रवार को भीमताल से लेकर कैंची धाम



तक घंटों जाम का सामना करना पड़ा। कैंची धाम में जाम लगने से सबसे अधिक परेशानियों का सामना अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, रानीखेत, धारचूला, बागेश्वर और हल्द्वानी की ओर आने और जाने वाले यात्रियों और सैलानियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों को तीन घंटे से अधिक जाम का सामना पड़ा।

यातायात व्यवस्था सुचारू करने के लिए पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी लगे रहे। पुलिस ने भीमताल और भवाली से शटल सेवा से श्रद्धालुओं को कैंची धाम भेजा।

खानपुर में चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़, आरोपी के पैर में लगी गोली

रुड़की, एजेंसी। पुलिस टीम शाहीपुर तिराहे पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सिकंदरपुर की ओर से एक सदिग्ध टेंपो आता दिखाई दिया।

पुलिस टीम ने टेंपो को रोकने का प्रयास किया लेकिन चालक ने रुकने के बजाय पुलिसकर्मियों पर टेंपो चढ़ाने की कोशिश की और टेंपो लेकर खानपुर की तरफ भाग निकला।

खानपुर थाना क्षेत्र में देर रात

पुलिस और एक सदिग्ध बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक सदिग्ध टेंपो को रोकने का प्रयास किया तो चालक ने पुलिस टीम पर टेंपो चढ़ाने की कोशिश की और मौके से फरार हो

गया। सूचना मिलते ही खानपुर पुलिस ने घेराबंदी की। धर्मपुर मार्ग पर श्मशान घाट के पास आरोपी टेंपो



छोड़कर गन्ने के खेत में जा घुसा और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

कि सोशल मीडिया पर युवा कई तरह की सामग्री देखते हैं. ऐसे में अगर इसी माध्यम से उन्हें अपनी संस्कृति से भी रूबरू कराया जाए तो यह उत्तराखंड की लोक विरासत को आगे बढ़ाने का एक जरिया बन सकता है.

रामनगर के इन तीनों युवाओं की कहानी इसलिए भी खास है, क्योंकि एक तरफ पढ़ाई का दबाव है तो दूसरी तरफ संगीत के प्रति जुनून. लेकिन दोनों के बीच संतुलन बनाते हुए ये तीनों उत्तराखंडी लोकगीतों को सोशल मीडिया के जरिए नई पीढ़ी तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं. यही वजह है कि स्थानीय स्तर पर इनके प्रयास को लोगों का समर्थन और सराहना भी मिल रही है.

तीनों युवाओं के माता-पिता भी अपने बच्चों की इस प्रतिभा को देखकर खुश हैं. परिवार का समर्थन और संगीत के प्रति लगन इन युवाओं के उत्साह को और बढ़ा रही है. सबसे अहम बात यह है कि ये

युवा अपनी संस्कृति को सिर्फ याद नहीं कर रहे, बल्कि उसे अपने अंदाज में प्रस्तुत भी कर रहे हैं.

मैं स्वर साधना संगीत विद्यालय, रामनगर से जुड़ी हूं. इस विद्यालय की स्थापना वर्ष 2000 में मेरे दादाजी हीराबल्ला पाठक द्वारा की गई थी. इसके बाद मेरे पिता और चाचा ने इस कार्य को आगे बढ़ाया. इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हमारा पूरा परिवार संगीत शिक्षण के कार्य से जुड़ा हुआ है. मैं यहां बच्चों को बैसिक क्लासेस देती हूं, जबकि एडवांस क्लासेस मेरे पिता मोहन पाठक द्वारा दी जाती हैं.

पिछले 25 वर्षों की साधना का प्रतिफल यह रहा है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालयों में हमारे विद्यालय से जुड़े 50 से अधिक विद्यार्थी आज संगीत शिक्षण का कार्य कर रहे हैं. स्थानीय स्तर पर भी हमारे अनेक विद्यार्थी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से रोजगार सृजन कर रहे हैं.

बाइक-स्कूटी से विद्यालय पहुंचे नाबालिग, 20 वाहन किए सीज

हरिद्वार, एजेंसी। स्कूल जाने की उम्र में बाइक और स्कूटी चलाने वाले नाबालिग विद्यार्थियों पर परिवहन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर बृहस्पतिवार को परिवहन विभाग की टीम ने जगजीतपुर क्षेत्र के स्कूलों और आसपास के इलाकों में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान नाबालिग 20 विद्यार्थियों को स्कूटी और मोटरसाइकिल चलाते हुए पकड़ा। वाहनों को सीज कर दिया गया।

कार्रवाई के बाद स्कूलों के आसपास दोपहिया वाहनों से पहुंचने वाले विद्यार्थियों और अभिभावकों में खलबली मच गई। सहायक सभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) नेहा झा के नेतृत्व में टीम ने स्कूलों के आसपास वाहनों की जांच की। अधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन से भी जानकारी ली।

विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने बताया कि नाबालिग विद्यार्थियों को स्कूटी या मोटरसाइकिल से स्कूल नहीं भेजने के लिए अभिभावकों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इसके बावजूद कई विद्यार्थी दोपहिया वाहन लेकर स्कूल पहुंच रहे थे। कार्रवाई से बचने के लिए कुछ विद्यार्थी वाहनों को स्कूल परिसर के बजाय आसपास की गलियों में खड़ा कर देते थे।

परिवहन विभाग की टीम ने विद्यालय प्रशासन को विश्वास में लेते हुए ऐसे वाहनों को चिह्नित किया। जांच के दौरान नाबालिग विद्यार्थियों से जुड़े 20 दोपहिया वाहन सीज किए गए। अधिकारियों ने संबंधित विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी कार्रवाई की जानकारी दी। साथ ही बच्चों को स्कूल लाने और ले जाने के लिए सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए कहा गया।



पुत्र अनिल शर्मा निवासी प्रताप कॉलोनी भगवानपुर ने उसके भाई आदित्य उर्फ आदि राणा की देसी तमंचे से फायर कर हत्या कर दी. पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और जांच पड़ताल शुरू की. पुलिस जांच में सामने आया कि आदित्य का रोहित के साथ विवाद था. जिसको लेकर रोहित उसका भाई

राहुल और पिता अनिल तीनों ने मिलकर आदित्य की हत्या की. पुलिस के मुताबिक, 1 अक्टूबर को विवाद खत्म करने के नाम पर तीनों ने आदित्य राणा को अपने घर बुलाया, जहां पर बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और तीनों ने देसी तमंचे से आदित्य की गोली मारकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए.

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

संक्षिप्त खबरें

ई-वेस्ट कारोबारी के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग

नई दिल्ली। भजनपुरा थाना क्षेत्र स्थित सुभाष विहार में शनिवार देर रात स्कूटी सवार दो बदमाशों ने एक ई-वेस्ट कारोबारी के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में कारोबारी बाल-बाल बच गए। हालांकि, उनके घर की बालकनी का कांच टूट गया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित 33 वर्षीय नावेद अंसारी ने पुलिस को बताया कि वह गली नंबर-16, सुभाष विहार में परिवार के साथ रहते हैं। वह इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट रीसाइक्लिंग का काम करते हैं। तीन अक्तूबर की रात करीब 2:40 बजे घर के बाहर शोर-शराबा सुनकर वह बालकनी में पहुंचे तो हैलमेट पहने दो स्कूटी सवार बदमाश सड़क पर खड़े दिखे। कारोबारी को देखते ही आरोपी गोलीयां चलाते लगे। गोली सीधे उनकी रेलिंग के कांच पर लगी। जान बचाने के लिए नावेद तुरंत अंदर छिप गए। इसके बाद भी बदमाशों ने कई राउंड फायर किए और दहशत फैलाकर नूर-ए-इलाही मेन रोड की तरफ फरार हो गए। वारदात के तुरंत बाद पीड़ित ने पीसीआर को सूचना दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की स्कूटी का नंबर निकाला है। पुलिस मामला दर्ज करके स्कूटी नंबर के आधार पर हमलावरों की तलाश कर रही है।

पीएचडी शोधार्थियों के लिए 75 फीसदी उपस्थिति जरूरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के डॉ.बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) ने पीएचडी शोधार्थियों की उपस्थिति को लेकर संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए। शोधार्थियों को पाठ्यक्रम के दौरान होने वाले कुल व्याख्यानों में कम से कम 75 फीसदी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। विश्वविद्यालय ने 31 जुलाई को जारी उपस्थिति संबंधी अधिसूचना को निरस्त करते हुए 30 सितंबर को संशोधित निर्देश जारी किए हैं। शोधार्थियों को पाठ्यक्रम में शामिल होने के साथ स्कूल या विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में भी भाग लेना होगा। शोधार्थियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड शोध पर्यवेक्षक और कार्यक्रम समन्वयक रखेंगे। संबंधित स्कूल के डीन इस रिकॉर्ड का सत्यापन करेंगे। यह आदेश विश्वविद्यालय या बाहरी फंडिंग एजेंसी की किसी भी योजना के तहत फेलोशिप प्राप्त करने वाले पूर्णकालिक पीएचडी शोधार्थियों पर लागू होगा।

ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंसे यात्री को जवाब दे बचाया

नई दिल्ली। सराय रोहिल्ला स्टेशन पर रिविwar को आरपीएफ के जवान ने ट्रेन की चपेट में आने से एक यात्री बचा लिया। यह यात्री ट्रेन में सवार होने के दौरान गिरकर गाड़ी और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया था। वहां मौजूद आरपीएफ के जवान ने तुरंत भागकर उसे बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। वरिष्ठ अधिकारियों ने आरपीएफ जवानों मनुज कुमार के इस साहसिक कार्य के लिए उसकी सराहना की है। आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) का सिपाही मनोज कुमार रिविwar को सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर तैनात था। इसी दौरान गाड़ी संख्या 1१9566 प्लेटफॉर्म में संख्या एक से जा रही थी। प्लेटफॉर्म पर मौजूद एक यात्री ने चलती हुई गाड़ी में चढ़ने का प्रयास किया और फिसलकर नीचे गिर पड़ा। वह गाड़ी और प्लेटफॉर्म के बीच फंसकर घिसटने लगा। उसी दौरान सिपाही दौड़कर उसकी तरफ पहुंचा और लोगों की मदद से उसे खींचकर बाहर निकाल लिया।

वाराणसी के लिए विशेष रेलगाड़ी का परिचालन

नई दिल्ली। यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली जंक्शन से वाराणसी के बीच विशेष रेलगाड़ी का परिचालन शुरू किया गया है। गाड़ी संख्या ०४२०9 वाराणसी जंक्शन से प्रत्येक शुक्रवार, सोमवार और बुधवार (27 नवंबर तक) को रात 1०.15 बजे चलकर अगली सुबह 1.45 बजे दिल्ली जंक्शन पहुंचेगी। वारासी में गाड़ी संख्या ०४21० दिल्ली जंक्शन से प्रत्येक शनिवार, मंगलवार और गुरुवार (28 नवंबर तक) को शाम 6.50 बजे चलकर अगली सुबह 9.50 बजे वाराणसी पहुंचेगी।

तीन महिला प्रक्राओं का पुलिसकर्मीयों पर अनर्द्रता का आरोप

नई दिल्ली। संसद मार्ग इलाके में शनिवार को एफआईआर के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान तीन महिला प्रक्राओं ने पुलिसकर्मियों पर अभद्र हरकतें करने का आरोप लगाया है। महिला प्रक्राओं ने संसद मार्ग थाने में शिकायत दी, जिसे क्राइम ब्रांच में आगे की जांच के लिए भेज दिया गया है। अब क्राइम ब्रांच की टीम पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी। जानकारी के अनुसार, तीन महिला प्रक्राकर प्रदर्शन के दौरान अपने यूट्यूब चैनल के वीडियो बना रही थीं। तनों का आरोप है कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और उनके साथियों ने अभद्र हरकतें की। इसे लेकर महिला प्रक्राकर और उनके साथी शनिवार को संसद मार्ग थाने के बाहर धरना देकर बैठ गए। दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता ने बताया पुलिस ने लिखित शिकायत लेने के बाद निपयक्ष जांच के लिए पुलिस आयुक्त के निर्देश

भाजपा की दिल्ली पुलिस की बर्बरता जारी, ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगने पर आप नेताओं से की बदसलू की

●जंतर-मंतर से इंडिया गेट तक पैदल मार्च कर रहे सौरभ भारद्वाज, संजीव झा, कुलदीप कुमार समेत एसैप कार्यकर्ता हिरासत में

●पुलिस की बर्बरता बिल्कुल चौकाने वाला, मोदी जी ने हिटलर को भी पीछे छोड़ दिया: केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। इंडिया गेट पर भाजपा की दिल्ली पुलिस ने फिर बर्बरता की सारी हद्दें पार कर दी। ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर मंतर से पैदल मच कर इंडिया गेट पहुंचे आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं समेत छात्र विंग एसैप के कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस ने जमकर बदसलूकी की। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, विधायक संजीव झा, कुलदीप कुमार समेत अन्य नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लेकर बड़ी बेरहमी से बस में दस दिया। इस दौरान सौरभ भारद्वाज को कुछ पुलिसकर्मियों ने पैरों से पकड़



कर ऊपर उठा दिया, जिससे उनका मुंह नीचे हो गया और सांस लेने में तकलीफ होने लगी, तब छोड़ा। पुलिस को इस बर्बरता पर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पुलिस की बर्बरता बिल्कुल चौकाने वाला है। मोदी जी ने हिटलर को भी पीछे छोड़ दिया। उधर, हिरासत में लिए जाने के उपरांत आप के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पुलिस मुझे इस तरह से उठाकर फेंक रही है जैसे मैं कोई फुटबॉल हूं। पुलिस पैर ऊपर और सिर नीचे करके मुझे उठाकर ले

गई। सबने देखा कि ये लोग हमारे साथ कितनी बदतमीजी कर रहे हैं। इतनी पुलिस फोर्स होने के बावजूद ये अपने एसीपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं कर रहे हैं और न ही उसे गिरफ्तार कर रहे हैं। जो लोग उस लड़की के हक के लिए यहां शांतिपूर्ण तरीके से खड़े हैं, पुलिस उनके साथ इस तरह की बदतमीजी कर रही है। ये पुलिस न सवाल दबेंगे, न आवाज रुकेगी, न किसी को जवाबदेही से भागने दिया जाएगा और न ही लोकतांत्रिक अधिकारों पर कोई समझौता होगा। संजीव झा ने आगे कहा कि हम इंडिया गेट से जंतर-मंतर मार्च करने आए थे, लेकिन पुलिस फोर्स ज्ञानेश कुमार जैसे गद्दारों को बचाने की कोशिश कर रही है। ज्ञानेश कुमार ने इस देश के साथ गद्दारी की है, चोरी से भाजपा की

चिल्ड्र्स पार्क में महिलाओं को सुरक्षा, यातायात और साइबर अपराध से बचाव के बताए उपाय

प्रातः किरण: मनोज जैन

शाहदरा। दिल्ली पुलिस के प्रोस्पेक्टिव मैनेजमेंट के तहत रिविwar को विवेक विहार थाना क्षेत्र स्थित चिल्ड्र्स पार्क में महिलाओं को सुरक्षा, यातायात नियमों और साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गए। कार्यक्रम में विवेक विहार के सहायक पुलिस आयुक्त पवन कुमार, थाना प्रभारी हरिकेश गब्बा, यातायात निरीक्षक संजय कुमार और स्वाट टीम के पुलिसकर्मी मौजूद रहे। डीसीपी नेहा यादव (प्रोस्पेक्टिव मैनेजमेंट) के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस का जागरूकता टीम ने महिलाओं को सामान्य सुरक्षा और अपातकालीन सहायता के बारे में जानकारी दी। यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के महत्व को समझाया, जबकि साइबर प्रकोष्ठ की टीम ने ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराध से बचने के उपाय बताए। कार्यक्रम में पार्क में मौजूद महिलाओं के साथ बड़ी संख्या में महिला पुलिसकर्मियों ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान दिल्ली पुलिस की महिला कमांडो ने सुरक्षा प्रदर्शन के माध्यम से महिलाओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत करने का संदेश दिया। महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी और कार्यक्रम को लेकर स्थानीय महिलाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने दिल्ली पुलिस की इस पहल की सराहना की। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य जनता को सुरक्षा उपायों की जानकारी देने के साथ पुलिस और आम लोगों के बीच विश्वास और बेहतर तालमेल कायम करना है।



करने के लिए अलग-अलग तरह की योजना बनाई हैं। इसमें रामलीला शुरू होने से पहले भजन क्लबिंग से लेकर जेन-जी को तुलसी के पौधे वितरित करने जैसी पहल शामिल हैं। यही नहीं, कुछ रामलीलाओं में मंचन की कमान जेन-जी के हाथों में है। साथ ही, मंचन के दौरान महिला सशक्तिकरण व युवा शक्ति भी झलक दिखेगी। कहीं पर लोक भाषा में तो कहीं पर पुरानी परंपरा का मंचन के दौरान रंग नजर आएगा। ऐसी खास रामलीलाओं पर हिन्दुस्तान टीम की रिपोर्ट। भजन क्लबिंग से युवाओं को करेंगे आकर्षितरामलीलाओं में पहली बार भजन क्लबिंग का प्रयोग किया जा रहा है। जेन-जी व जेन-अल्फा को संस्कृति से जोड़ने के लिए लाल किला मैदान में नव श्री धार्मिक लीला कमेटी इस बार रामलीला मंचन की शुरुआत भजन क्लबिंग के साथ करेगी। कमेटी के प्रचार मंत्री राहुल शर्मा ने कहा कि धार्मिक व सांस्कृतिक धरोहरों को मंच पर जीवंत करने के साथ संस्कृति, संस्कार व परंपराओं का संगम मंच पर देखने को मिलेगा। मंचन के जरिए युवाओं के मन में संस्कृति व मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। अशोक विहार फेज दो में आदर्श रामलीला कमेटी भी लीला मंचन की शुरुआत भजन क्लबिंग से

दिल्ली की रामलीलाओं में इस बार नए प्रयोग, जेन जी, बच्चों और महिलाएं निभाएंगे अहम भूमिका

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी की रामलीला इस बार सिर्फ रामकथा का मंचन नहीं, बल्कि बदलते दौर की तस्वीर भी पेश करेगी। परंपरा के मंच पर जेन जी की नई सोच, बच्चों की रचनात्मकता, मातृशक्ति का दम और क्षेत्रीय भाषाओं की मिठास एक साथ नजर आएगी। कहीं युवा पीढ़ी रामलीला की कमान संभालती दिखेगी तो द्वारका में 5300 बच्चे कठपुतली बनकर लाइव रामलीला पेश करेंगे। खास बात यह है कि इस बार मारवाड़ी भाषा में भी रामलीला का मंचन होगा, जबकि इंद्रप्रस्थ रामलीला में महिलाओं की भागीदारी और भूमिका को खास तवज्जो दी जाएगी। यानी इस बार राजधानी की रामलीलाएं सिर्फ मंच पर पात्र नहीं बदलेगी, बल्कि प्रस्तुति का अंदाज भी बदलेगा। आयोजकों ने सदियों पुरानी रामकथा को नई पीढ़ी से जोड़ने के लिए तकनीक, नए कलाकारों, बच्चों और महिलाओं की भागीदारी का सहारा लिया है। ऐसे में दिल्ली की रामलीलाओं में इस बार परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। रामलीला समितियों की नई योजनाएं रामलीला समितियों ने जेन-जी को आकर्षित

करेगी। शनिवार को भजन क्लबिंग होगी। इस दौरान जेन-जीन को विशेष आमंत्रित किया गया है। रामलीला के अध्यक्ष अशोक गर्ग व महामंत्री देवराज व चंदन शर्मा ने जानकारी दी कि इस रामलीला प्रारंभ की पूर्व संध्या पर भजन संध्या का आयोजन करेंगे। जेन-जी को तुलसी के पौधे किए जाएंगे वितरित लाल किला मैदान में आयोजित होने वाली लव कुश रामलीला कमेटी जेन-जी के दौर को देखते हुए उनसे संपर्क बढ़ा रही है। घर-घर राम, घर-घर तुलसी अभियान के तहत 51०० जेन-जी को तुलसी के पौधे वितरित करने की योजना है। वहीं, कमेटी मंचन के दौरान अलग-अलग दृश्य को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए एआई, ग्राफिक्स, एनीमेशन व श्री-डी मैपिंग का प्रयोग करेगी। कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने कहा कि दशहरा के अवसर पर एक लाख दीपों से प्रभु राम की आकृति बनाई जाएगी। रामलीला का मंचन रिविwar से शुरू होगा और 21 को संपन्न होगा। दशहरा पर्व 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। पुरानी परंपरा के साथ नए प्रयोग लाल किला मैदान में आयोजित की जाएंगी। इसी तरह डिफेंस एनक्लेव में श्री धार्मिक लीला कमेटी द्वारा मंचित होने वाली लीला इस बार अपनी 1०3 वर्ष पुरानी परंपरा के

साथ दर्शकों के बीच पहुंचेगी। कमेटी के महासचिव धीरजधर गुप्ता व सचिव प्रदीप शरण ने कहा कि बदलते समय के साथ मंचन के स्वरूप में बदलाव होगा, लेकिन भगवान राम के आदर्शों और रामकथा के मूल संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प कायम है। कमेटी के प्रवक्ता रवि जैन ने बताया कि प्रयास है कि ऐतिहासिक परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ रामलीला के सांस्कृतिक और सामाजिक संदेश को भी मजबूत किया जाए। जेन-जी ने संभाली मंचन की कमान बदलते दौर को देखते हुए रामलीला मंचन की कमान जेन-जी के हाथों में सौंपी जा रही है। वेस्ट विनोद नगर स्थित श्री ब्रदीनाथ मंदिर पार्क में देव भूमि संस्कृति धार्मिक समिति द्वारा मंचित होने वाली लीला की कमान इस बार जेन-जी के हाथों में है। निर्देशन से लेकर मंच पर किरदार निभाने वाले कलाकार सभी जेन-जी व जेन-अल्फा हैं। समिति के मुख्य संस्थापक देवेंद्र सिंह सजवान ने बताया कि 4० से 5० कलाकार इसमें शामिल हैं। यह लीला उत्तराखंड लोक भाषा में आयोजित की जाएगी। इसी तरह डिफेंस एनक्लेव में भी बच्चों द्वारा लीला का मंचन किया जाएगा। यह बार अपनी 1०3 वर्ष पुरानी परंपरा के

साथ दर्शकों के बीच पहुंचेगी। कमेटी के महासचिव धीरजधर गुप्ता व सचिव प्रदीप शरण ने कहा कि बदलते समय के साथ मंचन के स्वरूप में बदलाव होगा, लेकिन भगवान राम के आदर्शों और रामकथा के मूल संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प कायम है। कमेटी के प्रवक्ता रवि जैन ने बताया कि प्रयास है कि ऐतिहासिक परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ रामलीला के सांस्कृतिक और सामाजिक संदेश को भी मजबूत किया जाए। जेन-जी ने संभाली मंचन की कमान बदलते दौर को देखते हुए रामलीला मंचन की कमान जेन-जी के हाथों में सौंपी जा रही है। वेस्ट विनोद नगर स्थित श्री ब्रदीनाथ मंदिर पार्क में देव भूमि संस्कृति धार्मिक समिति द्वारा मंचित होने वाली लीला की कमान इस बार जेन-जी के हाथों में है। निर्देशन से लेकर मंच पर किरदार निभाने वाले कलाकार सभी जेन-जी व जेन-अल्फा हैं। समिति के मुख्य संस्थापक देवेंद्र सिंह सजवान ने बताया कि 4० से 5० कलाकार इसमें शामिल हैं। यह लीला उत्तराखंड लोक भाषा में आयोजित की जाएगी। इसी तरह डिफेंस एनक्लेव में भी बच्चों द्वारा लीला का मंचन किया जाएगा। यह बार अपनी 1०3 वर्ष पुरानी परंपरा के

केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय के स्थानांतरण मामले में कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में 135 साल पुराने केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय (सीएसएल) के प्रस्तावित स्थानांतरण पर उच्चतम न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट इस मामले पर सोमवार को सुनवाई करेगा। पुस्तकालय में 8.5 लाख से अधिक किताबें हैं, जबकि

मेट्रो निर्माण में पेड़ों को नुकसान पर जवाब तलब

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। करोलबाग में भूमिगत मेट्रो निर्माण के दौरान पेड़ों को नुकसान पहुंचाने के आरोपों पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त हो गया है। कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा, अधिकारी इस मामले में आँखें बंद करके नहीं बैठ सकते। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने अधिकारियों से जवाब दाखिल करने को कहा। मामले की

देश दुनिया की ताजा तारीन खबरें

पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

 @Pratahkiran

 www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, सोमवार, ०5 अक्टूबर, 2०26

श्री शांतिनाथ भगवान की वार्षिक रथयात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

प्रातः किरण: मनोज जैन

शाहदरा। शांति मोहल्ला स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से रविवार को श्री शांतिनाथ भगवान की वार्षिक भव्य रथयात्रा निकाली गई। भगवान श्री शांतिनाथ की प्रतिमा को आकर्षक ढंग से सजाए गए स्वर्ण रथ में विराजमान कराया गया। बड़ी संख्या में जैन समाज के पुरुष, महिलाएं, युवा और बच्चे रथयात्रा में शामिल हुए। बैंड-बाजों और ढोल-नगाओं की गूंज तथा भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया। रथयात्रा सीलमपुर फाटक से शुरू होकर रघुवरपुरा रोड होते हुए कृष्णा नगर जैन मंदिर पहुंची। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर नृत्य करते हुए भगवान के जयकारे लगाते चल रहे थे। पुरुषों और महिलाओं के साथ युवाओं ने भी भक्ति में झूमकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। रथयात्रा में जैन तीर्थंकरों के जीवन और धार्मिक प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियां भी शामिल थीं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनीं रहीं। रथयात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए जलपात्र और प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। समाज के लोगों ने श्रद्धालुओं का स्वागत कर उन्हें जल, शीतल पेय और प्रसाद वितरित किया। बैंड-बाजों और भजनों की धुन के बीच श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ रथ के साथ चलते रहे। जगह-जगह भगवान के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। कृष्णा नगर जैन मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद रथयात्रा वापस शांति मोहल्ला स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंची, जहां धार्मिक विधि-विधान के साथ वार्षिक रथयात्रा का समापन हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री शांतिनाथ से परिवार और समाज की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।



शाहदरा। शांति मोहल्ला स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से रविवार को श्री शांतिनाथ भगवान की वार्षिक भव्य रथयात्रा निकाली गई। भगवान श्री शांतिनाथ की प्रतिमा को आकर्षक ढंग से सजाए गए स्वर्ण रथ में विराजमान कराया गया। बड़ी संख्या में जैन समाज के पुरुष, महिलाएं, युवा और बच्चे रथयात्रा में शामिल हुए। बैंड-बाजों और ढोल-नगाओं की गूंज तथा भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया। रथयात्रा सीलमपुर फाटक से शुरू होकर रघुवरपुरा रोड होते हुए कृष्णा नगर जैन मंदिर पहुंची। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर नृत्य करते हुए भगवान के जयकारे लगाते चल रहे थे। पुरुषों और महिलाओं के साथ युवाओं ने भी भक्ति में झूमकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। रथयात्रा में जैन तीर्थंकरों के जीवन और धार्मिक प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियां भी शामिल थीं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनीं रहीं। रथयात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए जलपात्र और प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। समाज के लोगों ने श्रद्धालुओं का स्वागत कर उन्हें जल, शीतल पेय और प्रसाद वितरित किया। बैंड-बाजों और भजनों की धुन के बीच श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ रथ के साथ चलते रहे। जगह-जगह भगवान के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। कृष्णा नगर जैन मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद रथयात्रा वापस शांति मोहल्ला स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंची, जहां धार्मिक विधि-विधान के साथ वार्षिक रथयात्रा का समापन हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री शांतिनाथ से परिवार और समाज की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।

पिंक रामलीला गढ़ेगी नया अध्याय हर किदार निभाएंगी महिलाएं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में रामलीला आयोजन का एक नया दौर शुरू हो चुका है। यह सदियों पुरानी सांस्कृतिक परंपरा अब नारी शक्ति के आत्मविश्वास, हुनर और प्रतिभा के प्रदर्शन का सशक्त मंच बन रही है। पूर्वी दिल्ली के आईपी एक्सटेशन में आयोजित होने जा रहा श्री भामाशाह पिक रामलीला महोत्सव इस बदलाव की सबसे सशक्त मिसाल है। इस रामलीला की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि आयोजन की कमान संभालने से लेकर समाज तक की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के हाथों में है। 30 से अधिक महिला कलाकारों की यह मंडली मंच पर रामायण के पात्रों को अपने अभिनय से जीवंत करेगी। राम, लक्ष्मण, रावण, सुग्रीव और दशरथ जैसे सभी प्रमुख पुरुष पात्रों की भूमिका भी महिला कलाकार ही निभाएंगी, जिससे इसका स्वरूप पारंपरिक रामलीलाओं से बिल्कुल अलग और आधुनिक आकर्षक होगा। आयोजन की अध्यक्ष विनीता ने बताया कि पिंक रामलीला का उद्देश्य महिलाओं की प्रतिभा को मंच देना और धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी भागीदारी को बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि यह दिल्ली की इकलौती पिंक रामलीला है। आयोजकों के अनुसार यह पहल महिलाओं के आत्मविश्वास और हुनर को सामने लाने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और रामलीला की परंपरा से जोड़ने का एक प्रयास भी है। रील का जरिये मोबाइल तक पहुंचेगी लाल किला की रामलीला परंपरा और तकनीक का संगम इस बार लाल किला मैदान की लवकुश रामलीला में देखने को मिलेगा। जहां एक तरफ भव्य मंच, विशाल सेट और कलाकारों की प्रस्तुति होगी, वहीं दूसरी तरफ रामलीला अब मोबाइल स्क्रीन पर रील और लाइव के जरिए जेन-जी तक पहुंचेगी। लवकुश रामलीला कमेटी ने इस बार प्रचार-प्रसार का पूरा फॉर्मूला ही बदल दिया है। 11 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक चलने वाली इस रामलीला को लेकर कमेटी ने एक नया प्रयोग किया है। कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार और सीटीआई चैयरमैन बृजेश गोयल के नेतृत्व में 1०0 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को रामलीला से जोड़ा गया है।

ऐसी खबरें हैं कि नई ह्रासेंटल विस्टा योजनाह्म में पुस्तकालय के लिए कोई जगह आवंटित नहीं की गई है। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की पीठ सोमवार को मामले की सुनवाई करेगी। यह मामला तीन अक्तूबर को दर्ज किया गया एवं घटनाक्रम मीडिया में हाल में इस लाखा से अधिक किताबें हैं, जबकि

इस बात को उजागर किया गया था कि 1९69 से शास्त्री भवन में चार मजिलों पर फैली लाइब्रेरी के सामने अब संकट है क्योंकि शहरी कार्य मंत्रालय ने कर्तव्य भवन-2 परिसर में केवल दो कमरे आवंटित किए हैं। केंद्रीय आवास मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना में पुस्तकालय से

इस बात को उजागर किया गया था कि 1९69 से शास्त्री भवन में चार मजिलों पर फैली लाइब्रेरी के सामने अब संकट है क्योंकि शहरी कार्य मंत्रालय ने कर्तव्य भवन-2 परिसर में केवल दो कमरे आवंटित किए हैं। केंद्रीय आवास मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना में पुस्तकालय से इस तरह उपलब्ध कराई गई है।

कार्य चल रहा है। यहां बड़ी संख्या में पुराने पेड़ हैं। निर्माण के दौरान इन पेड़ों और हरित क्षेत्र को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि इसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों से नहीं हुई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। याचिका में कहा गया है कि निर्माण कार्य के कारण घर के पीछे मौजूद पुराने पेड़ों और हरित क्षेत्र पर लगातार प्रतिकूल असर पड़ रहा है। यह दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता ने पेड़ों को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को रोकने की मांग की है।

5300 बच्चे कठपुतली बनकर करेंगे रामलीला मारवाड़ी भाषा में होगा मंचन

नई दिल्ली। द्वारका को बाल उत्सव रामलीला समिति इस बार रामलीला को नए अंदाज में प्रस्तुत करने की तैयारी कर रही है। समिति की चैयरमैन प्रीतिमा खंडेलवाल के अनुसार इस आयोजन से करीब 5300 बच्चे जुड़े हैं और ये बच्चे स्वयं कठपुतली का रूप लेकर एक घंटे की लाइव रामलीला का मंचन करेंगे। समिति का दावा है कि दुनिया में पहली बार बच्चे कठपुतली बनकर रामलीला का मंचन करेंगे। समिति के अनुसार इस बार रामलीला की खासियत इसका मारवाड़ी भाषा में मंचन होना है। प्रीतिमा खंडेलवाल ने बताया कि समिति हर वर्ष अलग भाषा को केंद्र में रखकर रामलीला का आयोजन करती है। इस वर्ष राजस्थान की मारवाड़ी भाषा को चुना गया है। इसके माध्यम से बच्चों को भारतीय भाषाओं, लोक परंपराओं और रामलीला की सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। समिति के पूर्व आयोजनों में भी बच्चों की भागीदारी को प्रमुखता दी गई है। उपलब्ध पूर्व संदर्भों के अनुसार, बाल उत्सव रामलीला समिति बच्चों को रामलीला के मंचन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और पारंपरिक कलाओं से जोड़ने के लिए आयोजन करती रही है। इस बार कठपुतली शैली को रामलीला से जोड़कर बच्चों की रचनात्मक भागीदारी को और व्यापक करने की योजना है। प्रीतिमा खंडेलवाल ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य बच्चों को केवल दर्शक बनाए रखना नहीं, बल्कि उन्हें रामलीला की पूरी प्रस्तुति का हिस्सा बनाना है। बच्चे कठपुतली के रूप में पात्रों को प्रस्तुत करेंगे और मंच पर लाइव अभिनय करेंगे। एक घंटे की इस प्रस्तुति में रामकथा को बच्चों के अनुकूल तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा। समिति के अनुसार रामलीला के माध्यम से बच्चों को अलग-अलग भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। पूर्व में भोजपुरी भाषा में कलाकारों ने मंचन किया था।

फरीदाबाद : फ़ोन हैक कर लाखों की ठगी, खाताधारक सहित चार गिरफ्तार

फरीदाबाद। फ़ोन पर एपीके फाईल भेजकर पौने छह लाख रुपये की ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुये साइबर थाना एनआईटी की टीम ने खाताधारक सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गौरव व सूरज निवासी वाराणसी उत्तर प्रदेश, दिवाकर निवासी बक्सर बिहार व निशांत निवासी जामताड़ा झारखंड को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रकृता अनुसार गांव सारन फरीदाबाद वासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना एनआईटी में दी अपनी शिकायत में बताया कि 26 दिसंबर 2025 को उसके व्हॉट्सएप पर एपीके फाईल आई जिसको डाउनलोड करते ही उसका फोन हैक हो गया और उसके खाता से अलग-अलग ट्रांजेक्शनस के जरिए कुल पांच लाख 75 हजार 570 रुपये कट गये। जिस संबंध में साइबर थाना एनआईटी में संबंधित घाराओं में मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी गौरव खाताधारक है, जिसने अपना खाता सूरज को, सूरज ने आगे दिवाकर को व दिवाकर ने आगे इसे निशांत को दिया था। गौरव बी टेक पास, दिवाकर व निशांत बी टेक की पढ़ाई कर रहे है वहीं सूरज भी फार्मा की पढ़ाई कर रहा है। आरोपितों को आज अदालत में पेश किया गया, जहां से कूड़े के बड़े हिस्से को अपनी चपेट के पुलिस रिमांड पर लिया गया है, जबकि निशांत को न्यायिक हिरासत में भेज भेज दिया है।

फरीदाबाद के डंपिंग यार्ड में लगी आग, घंटों की मशक्कत से काबू पाया

फरीदाबाद। फरीदाबाद में एल्मादपुर फुट के पास बने डंपिंग यार्ड में पड़े कूड़े के ढेर में शनिवार देर रात को अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने कूड़े के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग से उठने वाला काला धुआं इतना घना था कि कई किलोमीटर दूर से भी आसमान में धुएं का गुबार साफ दिखाई दे रहा था। सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल फैला। स्थानीय लोगों ने कूड़े के ढेर से तेज लपेट उठती देख तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग का दायरा बड़ा होने के कारण फायर कर्मचारियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग इतनी तेज थी कि मौके से उठ रहा काला धुआं दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था। आसपास के क्षेत्र में धुएं के गुबार कीलों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आग कूड़े के ढेर में लगी होने के कारण उसके अंदर से लगातार धुआं उठता रहा, जिससे फायर कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। आग की सूचना मिलने के बाद पल्ला थाना पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

नीरज कुमार जैन जीतो के अध्यक्ष, महिला विंग की अधिवक्ता अंजू जैन अध्यक्ष बनीं

फरीदाबाद। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) फरीदाबाद बैचर फाउंडेशन की वार्षिक आमसभा और बोर्ड बैठक में वर्ष 2026-28 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें नीरज कुमार जैन को अध्यक्ष, सीए शांति लाल जैन को मुख्य सचिव और सेजीव जैन को कोषाध्यक्ष चुना गया।। नई कार्यकारिणी में आनंद कुमार जैन को उपाध्यक्ष, कुसुम जैन और विजय कुमार नाहटा को निदेशक की जिम्मेदारी दी गई। वहीं, महिला शाखा की अध्यक्ष अधिवक्ता अंजू जैन, मुख्य सचिव नूपुर जैन और कोषाध्यक्ष चरिका जैन को बनाया गया। पूर्व अध्यक्ष प्रवीण रांका ने नवनिर्भुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि नई टीम संगठन को मजबूत करने के साथ समाज में एकता, ज्ञान, संपर्क और सामाजिक जिम्मेदारी के क्षेत्र में कार्य करेगी।

फरीदाबाद में गोमांस काटने के आरोप पर हंगामा

बजरंग दल-हिंदू रक्षा दल की पुलिस से धक्का-मुक्की, 3 सदस्यों को हिरासत में लिया

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। के सूरजकुंड रोड स्थित पहाड़ियों में कथित तौर पर गोमांस काटने को लेकर हंगामा हो गया। बजरंग दल और हिन्दू रक्षा दल के सदस्यों के साथ पुलिस की धक्का-मुक्की हो गई। इस दौरान कई सदस्यों को पुलिस पकड़ कर ले गई। पुलिस ने मौके से 3 ऐसे लोगों को भी पकड़ा है जिन पर कथित तौर पर गोमांस काटने का आरोप है। लेकिन पुलिस ने बाद में सभी को छोड़ दिया। सूरजकुंड थाना प्रभारी पहल्लाद ने बताया कि नगर निगम बूचड़ खाना था, इसलिए कोई केस नहीं बनता। सभी को छोड़ दिया गया है थोड़ी देर के लिए माहौल शांत बना गया था। लेकिन बाद में सब ठीक हो गया। साथी ने अंदर जाकर देखने का किया दावा हिन्दू रक्षा दल के

सिंगापुर की तर्ज पर गुरुग्राम में बनेगा वर्ल्ड क्लास-कन्वेंशन सेंटर 20 एकड़ में होगा निर्माण

CM सैनी ने समझी आधुनिक तकनीक और मैनेजमेंट व्यवस्था

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार गुरुग्राम में अंतरराष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेंटर बनाने जा रही है। 20 एकड़ भूमि पर बनने वाला यह कन्वेंशन सेंटर अत्याधुनिक तकनीक और आधुनिक इंजीनियरिंग का अनूठा संगम होगा। सीएम नाबब सिंह सैनी ने इस प्रोजेक्ट के निर्माण संबंधी पूरे मास्टर प्लान का बारीकी से अध्ययन



किया है। सीएम नायब सिंह सैनी ने अपने सिंगापुर दौरे के दौरान प्रसिद्ध ह्यमनटेक

सिटीह्क का अवलोकन किया। उन्होंने सनटेक सिटी के निर्माण से लेकर इसके

फरीदाबाद बाल सुधार गृह से 3 बंदी फरार बाथरूम की खिड़की तोड़कर निकले

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। जिले के एनआईटी क्षेत्र के 5 नंबर इलाके में स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के बाल सुधार गृह से 3 नाबालिग बंदी फरार हो हो गए। बताया जा रहा है कि तीनों बाल बंदी बीती देर रात बाथरूम की खिड़की तोड़कर बाहर निकले और मेन गेट से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया। सूत्रों के मुताबिक फरार हुए तीनों नाबालिगों को अलग-अलग मामलों में बाल सुधार के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के अधीन रखा गया था। इनमें से 2 बाल बंदी वर्ष 2024 से यहां रह रहे थे, जबकि तीसरा वर्ष 2025 से बाल सुधार गृह में था। सूत्रों का कहना है कि तीनों पर गंभीर अपराधों के आरोप हैं और इसी के चलते उन्हें यहां रखा गया था। गुरुग्राम, नूंह और हिसार के रहने वाले बताया जा रहा है कि फरार बाल बंदियों में एक गुरुग्राम, दूसरा नूंह और तीसरा हिसार जिले का



रहने वाला है। घटना के बाद पुलिस ने आसपास के इलाकों में उनकी तलाश शुरू कर दी है। वहीं, क्राइम ब्रांच की टीम भी फरार बाल बंदियों की तलाश में जुट गई हैं। तीनों की तलाश कर रही पुलिस थाना एनआईटी इंचार्ज महावीर ने बताया कि बाल सुधार गृह की तरफ से उनको शिकायत मिली है। पुलिस आसपास हूँगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ-साथ संभावित ठिकानों पर भी दबिश दे रही है। तीनों नाबालिग किता तरह बाल सुधार गृह से बाहर निकले और सुरक्षा व्यवस्था में कहां चूक हुई, इसकी भी जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस का पूरा ध्यान फरार बाल बंदियों को जल्द से जल्द तलाशने पर है।

गुरुग्राम में इंपलुएंसर को जीते-जी श्रद्धांजलि दी मौत की अफवाह पर बोले- जिंदा हूं साहब

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में सोशल मीडिया इम्प्लुएंसर बांबी कटारिया के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से उनकी मौत का दावा किया गया। पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर उनके फैंस श्रद्धांजलि देने लगे। कमेंट सेक्शन में रेत इन पीस (RIP) कटारिया भाई लिखने लगे। उनके परिवार के पास भी कई प्रशंसकों और रिश्तेदारों के फोन आए। बाद में खुद कटारिया ने अपने नए सोशल मीडिया अकाउंट से वीडियो जारी कर इसका खंडन किया। उन्होंने कहा- जिंदा हूं साहब, अफवाहों

पर ध्यान न दें। किसी ने अकाउंट हैक कर झूठी जानकारी दी। कटारिया के पुराने अकाउंट से शेयर की गई RIP वाली पोस्ट को 23 लाख से भी अधिक लोग देख चुके हैं। इधर, बांबी इससे पहले भी कई विवादों में रह चुके हैं। 2022 में फ्लाइट में सिमटेर पीने और उत्तराखंड में सड़क पर बैठकर शराब पीने के वीडियो सामने आने के बाद उनके खिलाफ केस दर्ज हुए थे। हैकर्स ने पुरानी आईडी से किया पोस्ट बांबी कटारिया ने वीडियो मैसेज जारी कर मौत की अफवाह पर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि जिस पुराने सोशल मीडिया अकाउंट से उनके निधन की पोस्ट

शेयर की गई थी, उसे कोई दूसरा व्यक्ति हैंडल करता था। पोस्ट सामने आने के बाद जब उससे संपर्क किया गया तो पता चला कि पुरानी आईडी हैक हो चुकी है। अभी उस अकाउंट पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है। उन्होंने कहा कि हैकर्स ने उनके फैंस के बीच डर, भ्रम और सनसनी फैलाने के लिए उनके नाम से यह फर्जी पोस्ट शेयर की। म बांबी बोले- कानूनी कार्रवाई की तैयारी इस घटना के बाद बांबी कटारिया और उनकी टीम मामले को लेकर गंभीर है। बांबी ने वीडियो में बताया कि उनकी टीम हैक किए गए अकाउंट को रिकवर करने में जुटी है। साथ ही उन्होंने हैकर्स को

चेतावनी दी कि फर्जी पोस्ट को तुरंत डिलीट कर दें, वरना उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लगातार 12 वीडियो पोस्ट डाली हैकर्स ने पुराने सोशल मीडिया अकाउंट से बांबी कटारिया के निधन का दावा करते हुए एक के बाद एक 12 वीडियो पोस्ट डालीं। इन पोस्ट में बांबी कटारिया का फोटो लगाकर उस पर मिस यू भाई, आरईपी लिखा गया। कुछ पोस्ट में इमोजी का यूज कर उनके पुराने वीडियो शेयर किए गए। एक पोस्ट में उनके जिम के फोटो पर आईपी लिखकर शेयर किया गया, इस पोस्ट पर 2.3 मिलियन (23 लाख) से भी अधिक व्यूज आ चुके हैं।

गुरुग्राम से पिता बेटे को समझाते रहे; नोएडा में 43वीं मंजिल से कूदकर

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम नोएडा में बिल्डिंग की 43 वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड करने वाले गुरुग्राम के संभव जैन (29) को लेकर कई खुलासे हुए हैं। संभव ने पिता विनय जैन को इंग्लिश और हिंदी में कई मैसेज भेजे थे। इसमें सुसाइड से पहले ही संभव ने एक मैसेज किया था- पापा, अब आपको किसी को पैसे नहीं देने पड़ेंगे। पुलिस ने जैन संभव के मोबाइल की जांच की तो पता चला कि सुसाइड से पहले वह लगातार पिता से वॉट्सऐप पर बात कर रहा था। मैसेज में वह अपनी जिंदगी खत्म करने की बात कह रहा था। विनय जैन उसे समझाते रहे, घर लौटने के लिए कहते रहे और ऐसा कोई कदम न उठाने की विनती करते रहे। जब संभव बिल्डिंग में कूद रहा था, तब पास के कमरे में एसूरी टेक्नीशियन और होटल कर्मचारियों से भी पूछताछ की गई है।

कहा- पिता को भेजता रहा मैसेज पुलिस को संभव और उसके पिता की वाट्सअप चैट से पता चला कि संभव ने हिंदी और अंग्रेजी दोनों में मैसेज भेजे थे। संदेशों में सुसाइड की बात कही गई थी। पुलिस ने मोबाइल और चैट को सुरक्षित रखा है। जांच के दौरान पुलिस को संभव के मोबाइल से करीब दो मिनट का एक वीडियो भी मिला है। वीडियो घटना से पहले बनाया गया था। इसमें भी संभव ने अपनी आर्थिक परेशानी का जिक्र किया। उसने किसी व्यक्ति को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया। चेक-इन से कमरे तक की उच्छ्वस सुरक्षित घटना के बाद नोएडा सेक्टर-126 थाना पुलिस ने बिल्डिंग और आसपास की उच्छ्व फुटेज खंगाली। पुलिस ने संभव के सुपरनेोवा में चेक-इन करने से लेकर कमरे तक जाने की फुटेज भी सुरक्षित कर ली है। घटना के समय मौजूद टेक्नीशियन और होटल कर्मचारियों से भी पूछताछ की गई है।

फरीदाबाद में डंपिंग यार्ड में लगी आग दूर तक दिखाई दिया धुएं का गुबार, अफरा-तफरी मची, फायर ब्रिगेड ने बुझाई

फरीदाबाद। में एल्मादपुर पुल के पास बने डंपिंग यार्ड में पड़े कूड़े के ढेर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने कूड़े के बड़े हिस्से को अपनी चोपेट में ले लिया। आग से उठने वाला काला धुआं इतना घना था कि कई किलोमीटर दूर से भी आसमान में धुएं का गुबार साफ दिखाई दे रहा था। सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने कूड़े के ढेर से तेज लपेट उठती देख तुरंत फायर



ब्रिगेड को सूचना दी। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग का दायरा बड़ा होने के कारण फायर कर्मचारियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग इतनी तेज थी कि मौके से उठ रहा काला धुआं दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था। आसपास के क्षेत्र में धुएं के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आग कूड़े के ढेर में लगी होने के कारण उसके अंदर से लगातार धुआं उठता रहा, जिससे फायर कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस भी पहुंची थी स्थिति पर आग की सूचना मिलने के बाद पल्ला थाना पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और सैफ्टी का जायजा लिया। पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने आग के आसपास लोगों की आवाजाही को नियंत्रित किया। गनीमत रही कि समय रहते फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई और आग को आसपास के क्षेत्र में फैलने से रोक लिया गया। आग लगने के कारणों की जांच पल्ला थाना इंचार्ज सचवा प्रकाश के मुताबिक फिलहाल आग लगने के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है। फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि आग लगने का मुख्य कारण क्या है।

हरियाणा- भाजपा उपाध्यक्ष के पिता का निधन

पलवल में मिठाई कारोबार से बनाई पहचान, 93 साल की उम्र में घर पर अंतिम सांस ली

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पलवल के पूर्व विधायक दीपक मंगला के पिता वेद मंगला का रिविवार सुबह निधन हो गया। 93 साल की उम्र में पलवल स्थित अपने घर पर सुबह करीब 4 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उम्र ज्यादा होने के कारण उनकी तबीयत नाजुक चल रही थी। वेद मंगला शहर के पुराने कारोबारियों में से एक थे। मिठाई के कारोबार में उनकी खास पहचान रही। उनकी दुकान की बर्नी और रबड़ी पलवल के लोगों के बीच



काफी लोकप्रिय रही। उनका अंतिम संस्कार पंचवटी मोक्षधाम में दोपहर 12 बजे किया गया। सबसे छोटे बेटे पवन मंगला ने मुख्याग्नि दी। इस दौरान शहर के व्यापारी, समाजसेवी और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता मौजूद रहे। वेद मंगला ने पलवल में मिठाई के कारोबार के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई। बताया जाता है कि दुकान पर तैयार मिठाइयां पलवल और आसपास के क्षेत्रों के अलावा

विदेशों तक भेजी जाती थीं। कारोबार के साथ उनका शहर के लोगों से भी लंबे समय से जुड़ाव रहा। घर पर पहुंचे लो पंचवटी मोक्षधाम में अंति संस्कार वेद मंगला के निधन की सूचना मिलते ही परिवार और रिश्तेदारों के अलावा शहर के व्यापारी, समाजसेवी और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता उनके घर पहुंचे। इसके बाद पंचवटी मोक्षधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

गुरुग्राम में एलिवेटेड हाईवे पर दो कारों में टक्कर एक कार आगे से क्षतिग्रस्त

दूसरी बीच सड़क पलटी, सुभाष चौक एक्जिट पर देर रात हादसा

गुरुग्राम। में सोहना रोड एलिवेटेड हाईवे पर देर रात तेज रफ्तार 2 कार सुभाष चौक एक्जिट के पास आपस में बुरी तरह टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक कार अनियंत्रित होकर सड़क के बीचों-बीच पलट गई, जबकि दूसरी रिट्ज कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में संयोग ही था कि दोनों कारों के अंदर बैठे लोगों का जान बच गई और उन्हें चोट आई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दुर्घटना देर रात उस समय हुई जब दोनों वाहन काफी तेज गति में थे। सुभाष चौक एक्जिट के नजदीक पहुंचते ही दोनों कारों में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही एक गाड़ी पलट गई और हाईवे पर दूर तक फिसटती चली गई। जिससे सड़क पर चिंगारियां उठने लगीं। वहीं, रिट्ज कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह पिचक गया। हादसे के बाद हाईवे पर चीख-पुकार मच गई। पीछे से आ रहे अन्य वाहन चालकों ने तुरंत अपनी गाड़ियां रोकी और पलटी हुई कार से लोगों को बाहर निकाला। हालांकि कार मालिक और घायलों के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस नंबर प्लेट के आधार पर जांच करेगी। निजी अस्पताल में भर्ती कराए गए घायल हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एम्बुलेंस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दो घायलों को पास के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। दोनों घायलों को समय पर इलाज मिल जा सके।

फरीदाबाद में 1.05 करोड़ की डकैती का खुलासा नहीं डेढ़ करोड़ की चोरी में भी पुलिस खाली हाथ, 8 दिन में हुई दो बड़ी वारदात

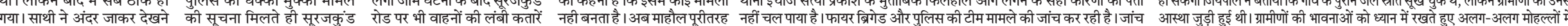
फरीदाबाद में 8 दिनों के अंदर हुई दो बड़ी वारदातों को सुलझाने में अभी तक पुलिस विफल रही है। इनमें से एक गांव शाहुपुरा में पूर्व लेडी सरपंच के घर से डेढ़ करोड़ रुपए के गहने चोरी करने और दूसरी फतेहपुर तगा गांव में पांच नकाबपोश बदमाशों द्वारा पूर्व सरपंच अब्दुल कदमि के घर से करीब 1 करोड़ 5 लाख रुपए की डकैती है। पुलिस का कहना है कि दोनों ही मामलों में अलग-अलग 4 टीमों आरोपियों की तलाश कर रही है। शाहुपुरा में घर में घुसे चोर, परिवार को कमरों में किया बंद गांव शाहुपुरा में पूर्व सरपंच राधा रानी के घर पर 17-18 सितंबर की रात को चोर घर में दीवार कूदकर घुस गए। चोरों ने परिवार के सदस्यों को सोते समय उन्ही के कमरों में बंद कर दिया। इसके बाद दो घर से 70 तोले सोना, ढाई किलो चांदी और अलमारी में रखे 3.5 लाख रुपए चोरी कर लिए गए। राधा के पति जब सुबह उठे तो उनको कमरों और अलमारी के ताले टूटे हुए मिले। फतेहपुर तगा में 25 नकाबपोशों ने की डकैती दूसरे मामले में धौज थाना क्षेत्र के फतेहपुर तगा गांव में पांच सितंबर की रात को घर में अकेले सो रहे पूर्व सरपंच अब्दुल कदमि हाथियार के बल पर बंधक बनाया गया। 5 नकाबपोश बदमाश उनके घर से अलमारी और बेड में रखे 1.05 करोड़ रुपए निकाल लिए। करीब 30 मिनट में वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश उठकर पैर बांधकर उन्हें कमरे में छोड़कर भाग गए। दोनों मामलों में पुलिस के हाथ खाली अभी तक इन दोनों वारदातों में पुलिस किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल के अनुसार, दोनों मामलों में अलग-अलग चार-चार टीमों गठित की गई हैं। टीमों सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साध्यों और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आसपास के राज्यों में भी दबिश दी जा रही है।

स्कूल प्रिंसिपल के खाते से साइबर ठगी ने निकाले सवा चार लाख रुपये

फरीदाबाद। सेक्टर-28 स्थित एक निजी स्कूल के प्रिंसिपल के बैंक खाते से साइबर ठगों ने सवार चार लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित को ठगी का पता उस समय चला जब वह अपने क्रेडिट कार्ड की पेमेंट करने लगे और खाते में पर्याप्त रकम नहीं मिली। बैंक शाखा से जानकारी लेने पर पता चला कि उनके खाते से पांच अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिये रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर की गई है। साइबर थाना सेंटर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-18 निवासी प्रमोद कुमार शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सेक्टर-28 स्थित एक स्कूल में प्रिंसिपल हैं। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को वह क्रेडिट कार्ड की पेमेंट करने लगे तो उन्हें बैंक खाते में रकम नहीं होने की जानकारी मिली। इस पर उन्होंने सेक्टर-31 स्थित बैंक शाखा में जाकर खाते की जानकारी ली। बैंक रिकॉर्ड की जांच करने पर पता चला कि 10 सितंबर से 14 सितंबर के बीच उनके खाते से पांच अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिये रकम निम्नलिखित कारों के सहयोग से गांव की चौपाल का निर्माण और सौंदर्यीकरण करवाया गया है। यहां ग्रामीणों के बैठने की उचित व्यवस्था की गई है, जिससे वे सुविधाजनक माहौल में आपसी चर्चा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही चौपाल में लाइब्रेरी शुरू करने की योजना है। इससे बच्चों और युवाओं को शांत वातावरण में पढ़ाई करने के साथ अखबार और अन्य अध्ययन सामग्री उपलब्ध ही सकेगी जयपाल ने बताया कि वह के पुराने जल स्रोत सूख चुके थे, लेकिन ग्रामीणों की उनसे आस्था जुड़ी हुई थी। ग्रामीणों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग माहौलों में करीब छह से सात स्थानों पर नए जल स्रोत बनवाकर उनका सौंदर्यीकरण करवाया गया है।

घोड़ी गांव में चौपाल और सार्वजनिक स्थलों का हुआ सौंदर्यीकरण

पलवल। गांवों में विकास और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत ग्राम पंचायत घोड़ी में चौपाल समेत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का विकास और सौंदर्यीकरण करवाया गया है। इन कार्यों से ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ गांव के सार्वजनिक स्थलों का स्वरूप भी बदला है। ग्राम पंचायत घोड़ी के सरपंच प्रतिनिधि जयपाल ने बताया कि सरकार के सहयोग से गांव की चौपाल का निर्माण और सौंदर्यीकरण करवाया गया है। यहां ग्रामीणों के बैठने की उचित व्यवस्था की गई है, जिससे वे सुविधाजनक माहौल में आपसी चर्चा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही चौपाल में लाइब्रेरी शुरू करने की योजना है। इससे बच्चों और युवाओं को शांत वातावरण में पढ़ाई करने के साथ अखबार और अन्य अध्ययन सामग्री उपलब्ध ही सकेगी जयपाल ने बताया कि वह के पुराने जल स्रोत सूख चुके थे, लेकिन ग्रामीणों की उनसे आस्था जुड़ी हुई थी। ग्रामीणों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग माहौलों में करीब छह से सात स्थानों पर नए जल स्रोत बनवाकर उनका सौंदर्यीकरण करवाया गया है।



शांति का मार्ग बाहर नहीं भीतर से होकर जाता है

मनुष्य संसार में सबसे अधिक जिस चीज की तलाश करता है, वह है शांति। प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि उसका जीवन सुखी, संतुष्ट और तनावमुक्त हो, लेकिन उसकी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वह शांति को अपने भीतर खोजने के बजाय बाहर की दुनिया में तलाशता रहता है। धन, संपत्ति, पद, प्रतिष्ठा, सुविधाएँ और भौतिक साधनों को वह सुख का आधार मान लेता है। इनकी प्राप्ति के लिए वह निरंतर भागता रहता है और इसी बाहरी दौड़ में उसका मन और अधिक अशांत होता चला जाता है। उसकी स्थिति उस कस्तूरी मृग जैसी हो जाती है जो सुगंध का स्रोत अपने भीतर होने के बावजूद उसे जंगल-जंगल खोजता फिरता है। वास्तव में शांति का संबंध बाहरी परिस्थितियों से कम और मन की अवस्था से अधिक है। मनुष्य सुख और शांति को एक ही मान बैठता है, जबकि दोनों में अंतर है। सुख किसी वस्तु, उपलब्धि या इच्छा की पूर्ति से मिलने वाला क्षणिक अनुभव हो सकता है, जबकि शांति भीतर की स्थिरता है। इच्छा पूरी होते ही कुछ समय के लिए प्रसन्नता मिलती है, लेकिन फिर सई इच्छा जन्म ले लेती है। मनुष्य कहता रहता है कि अभी यह मिल जाए, फिर वह मिल जाए। यही झूऔर चाहिएएहू की वृत्ति उसे जीवनभर दौड़ाती रहती है। कामनाओं के पीछे चलने वाला व्यक्ति पदार्थों को जोड़ता रहता है। उसे लगता है कि अधिक धन, अधिक संपत्ति और अधिक सुविधाएँ मिलने से जीवन अधिक सुखी हो जाएगा। लेकिन इच्छाओं की कोई अंतिम सीमा नहीं होती। एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी सामने आ जाती है। इस प्रकार संग्रह बढ़ता जाता है और उसके साथ चिंता, भय, प्रतिस्पर्धा और असंतोष भी बढ़ते जाते हैं। इसके विपरीत शांति का मार्ग त्याग, संतोष और अपरिग्रह से होकर गुजरता है। जहां संग्रह व्यक्ति को बांधता है, वहीं त्याग उसे भीतर से हल्का करता है। एक सुंदर दृष्टांत में कहा गया है कि एक कुत्ता हड्डी का टुकड़ा लेकर भाग रहा था। दूसरे कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। वह हड्डी छोड़ने को तैयार नहीं था, इसलिए चोट खाता रहा। अंतंतः वह हड्डी छूट गई तो उसका संकट भी समाप्त हो गया। यही जीवन का सत्य है। जब तक मनुष्य वस्तुओं, इच्छाओं और अहंकार को कसकर पकड़े रहता है, तब तक संघर्ष चलता रहता है। छोड़ने की कला आते ही मन हल्का होने लगता है। शांति पाने के लिए मनुष्य को सबसे पहले अपने भीतर झांकना होगा। अपने शरीर, स्वास, मन और आत्मा के प्रति सजग होना होगा। आत्म-जिज्ञासा ही उसे अपने वास्तविक स्वरूप तक ले जा सकती है। विज्ञान और भौतिक ज्ञान ने मनुष्य को संसार के अनेक रहस्यों से परिचित कराया है, लेकिन स्वयं को जानना अभी भी सबसे बड़ी चुनौती है। जिसने अपने भीतर के चैतन्य को पहचान लिया, उसके लिए बाहरी परिस्थितियों का प्रभाव बहुत कम हो जाता है। हमारी अशांति का एक बड़ा कारण हमारी धारणाएँ भी हैं। हम कई बार वास्तविकता को देखने के बजाय अपनी बनाई हुई धारणा के माध्यम से देखते हैं। ट्रेन की खिड़की के प्रसंग में दो यात्रियों का झगड़ा इसी बात को स्पष्ट करता है। एक खिड़की खोलना चाहता था और दूसरा बंद करना। दोनों अपनी-अपनी सुविधा और धारणा को सही मानकर लड़ते रहे। जब पता चला कि खिड़की में कांच ही नहीं था, तब उनकी लड़ाई का आधार ही समाप्त हो गया। जीवन में भी कई विवाद ऐसे ही होते हैं। हम तथ्य जाने बिना अपनी धारणाओं को सत्य मान लेते हैं और फिर उन्हीं के कारण अशांत रहते हैं। सत्य और तथ्य को जाने बिना किया गया निर्णय कई बार गंभीर परिणाम पैदा कर सकता है। किसान और उसकी बिल्ली की कथा इसका मार्मिक उदाहरण है। गलत धारणा के आधार पर किसान ने बिल्ली को दोषी मान लिया और क्रोध में उसे मार दिया। बाद में सत्य सामने आया तो पछतावे और कलह ने पूरे परिवार को संकट में डाल दिया। यह प्रसंग बताता है कि जल्दबाजी, क्रोध और अधूरी जानकारी केवल समस्या को बढ़ाती है। संयमपूर्वक तथ्य को समझना ही शांति की पहली सीढ़ी है। शांति केवल अपने लिए शांत रहने का नाम नहीं है। दूसरों के प्रति करुणा, संवेदनशीलता और सद्भाव भी शांति का आधार हैं। जो व्यक्ति हर समय दूसरों के दोष खोजता रहता है, वह स्वयं कभी शांत नहीं हो सकता। उसकी दृष्टि हमेशा बाहर रहती है और उसका मन दूसरों के जीवन की जांच-पड़ताल में उलझ रहता है। उसे यह देखने का अवसर ही नहीं मिलता कि उसके भीतर कौन-सी कमियाँ हैं। शेखसादी और उनके पुत्र का प्रसंग इसी सत्य को सामने रखता है। पुत्र ने नमाज पढ़कर लौटते समय सो रहे लोगों में दोष देखा। शेखसादी ने उसे समझाया कि वे लोग केवल सो रहे हैं, लेकिन तुम उनकी कमियाँ देखकर अपने भीतर दोष पैदा कर रहे हो।

चार चरणों में पंचायती राज चुनाव से गांवों की सियासी तस्वीर होगी साफ

कालिताल मांडोट

राजस्थान में लंबे समय से पंचायती राज चुनाव का इंतजार कर रहे ग्रामीण मतदाताओं का इंतजार अब खत्म हो गया है।राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। प्रदेश में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव चार चरणों में 23 अक्टूबर, 29 अक्टूबर, 4 नवंबर और 14 नवंबर को होंगे। इसके परिणाम 20 नवंबर की घोषित किए जाएंगे। इसी तरह सरपंच और वार्ड पंचों के चुनाव चार चरणों में 25 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, 6 नवंबर और 16 नवंबर को होंगे तथा मतदान के दिन ही परिणाम सामने आ जाएंगे। इसके बाद 25 नवंबर को जिला प्रमुख और 27 नवंबर को प्रधानों का चुनाव होगा। कोटा, श्रीगंगानगर, बारों और करौली जिलों में जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव दिसंबर में होंगे। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में आचार संहिता लागू हो गई है। अब सरकार नई योजनाओं की घोषणा, नए उद्घाटन और शिलान्यास नहीं कर सकेगी। सरकारी मशीनरी के इस्तेमाल और तबादलों पर भी प्रतिबंध रहेगा। हालांकि पहले से स्वीकृत और प्रक्रिया में चल रहे विकास कार्य नियमों के अनुसार जारी रह सकेंगे। आचार संहिता का उद्देश्य यही है कि चुनाव के दौरान सरकारी संसाधनों अथवा घोषणाओं के जरिए मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके। इस बार का पंचायती राज चुनाव कई मायनों में महत्वपूर्ण है। राजस्थान के इतिहास में पहली बार पंचायत चुनाव व्यापक स्तर पर एक साथ कराए जा रहे हैं। प्रदेश की 41 जिला परिषदों और 457 पंचायत समितियों में चुनाव होंगे। जिला परिषद के 1,403 और पंचायत समिति के 8,245 सदस्यों का चुनाव इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों से होगा, जबकि सरपंच और वार्ड पंचों के चुनाव मतपत्रों के जरिए होंगे। कुल मिलाकर करीब 1.69 लाख पंचायती राज प्रतिनिधियों के चुने जाने का रास्ता साफ हुआ है। 1.44 करोड़ से अधिक ग्रामीण मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चयन करेंगे। इस चुनाव में महिलाओं की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण रहने वाली है। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है। इससे बड़ी संख्या में महिलाएँ सरपंच, उपसरपंच और वार्ड पंच के रूप में निर्वाचित होंगी। आरक्षण व्यवस्था ने ग्रामीण राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को लगातार बढ़ाया है और इस बार भी गांवों की सत्ता में महिलाओं की भूमिका निर्णायक रहने की संभावना है। अब सवाल है कि चुनाव में किसका पलड़ा भारी दिखाई देता है। इसका सीधा उत्तर चुनाव परिणाम आने से पहले देना उचित नहीं होगा, लेकिन हाल के राजनीतिक परिणामों और ग्रामीण मुद्दों को देखकर मुकाबले की तस्वीर समझी जा सकती है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया था। इसके बाद लोकसभा चुनाव 2024 में भी भाजपा ने राज्य की अधिकांश सीटों पर बढ़त बनाए रखी, हालांकि पिछली तुलना में कांग्रेस ने अपनी स्थिति में सुधार किया। इसके बाद हुए उपचुनावों और स्थानीय राजनीतिक घटनाक्रमों ने भी यह संकेत दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुकाबला एकतरफा नहीं है। इसलिए पंचायती राज चुनाव में संगठन, स्थानीय प्रत्याशी, जातीय और सामाजिक समीकरण तथा गांव के विकास कार्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भाजपा के पक्ष में सबसे बड़ा आधार राज्य में सत्ता और उसका संगठनात्मक ढांचा माना जा सकता है। सरकार के स्तर पर किए गए विकास कार्यों, योजनाओं के क्रियान्वयन और बु्थ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने की रणनीति का असर ग्रामीण चुनाव में दिखाई दे सकता है। दूसरी ओर कांग्रेस के पास लंबे समय से गांवों में मौजूद स्थानीय संगठन, पुराने राजनीतिक संबंध और कई क्षेत्रों में मजबूत सामाजिक आधार है। यही कारण है कि जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव विधानसभा या लोकसभा चुनावों से अलग परिणाम दे सकते हैं। यहां पाटी के बड़े नेताओं से ज्यादा स्थानीय उम्मीदवार की व्यक्तिगत पकड़ और गांव में उसकी स्वीकार्यता प्रभाव डालती है। पंचायती राज चुनावों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ग्रामीण मतदाता स्थानीय समस्याओं को सीधे अपने मतदान से जोड़ता है।

विचारमंथन

डिजिटल युग में निजता: अधिकार और बढ़ती चुनौतियाँ

आज मनुष्य की डिजिटल पहचान उसके भौतिक अस्तित्व जितनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। हम क्या खोजते हैं, कहाँ जाते हैं, क्या खरीदते हैं, किन लोगों से संवाद करते हैं और किन विषयों में रुचि रखते हैं—इन सबका एक डिजिटल निशान पीछे छूटता जाता है। ऐसे में प्रश्न केवल यह नहीं है कि हमारी जानकारी किसके पास है, बल्कि यह भी है कि उस जानकारी पर हमारा कितना नियंत्रण है। इसी संदर्भ में डिजिटल युग में निजता का प्रश्न व्यक्ति की स्वतंत्रता, गरिमा और स्वायत्तता से जुड़ी एक गंभीर संवैधानिक और सामाजिक चुनौती बनकर उभरा है। निजता व्यक्ति का वह अधिकार है जिसके माध्यम से वह अपनी व्यक्तिगत जानकारी, पहचान और निजी जीवन तक दूसरों की पहुँच को नियंत्रित

जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की विधानसभा ने उठाई बड़ी मांग

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 25 सितंबर को विधानसभा में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने संबंधी प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे को बहाल करने की मांग की गई है। विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का राजनीतिक महत्व इस बात में है कि यह केवल किसी राजनीतिक दल की मांग के रूप में नहीं, बल्कि निर्वाचित विधानसभा के प्रस्ताव के रूप में सामने आया है। हालांकि विधानसभा का प्रस्ताव अपने आप में केंद्र सरकार पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में अंतिम निर्णय संसद और केंद्र सरकार के संवैधानिक एवं विधायी अधिकार-क्षेत्र से जुड़ा है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा (लेखक)

जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने केंद्र सरकार से केंद्र शासित प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने की मांग वाला प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित कर दिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा 25 सितंबर को पेश किए गए इस प्रस्ताव पर सदन में व्यापक चर्चा हुई। प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर के पूर्ववर्ती विधानसभा प्रस्तावों का भी उल्लेख किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि राज्य के दर्जे की बहाली का मुद्दा वर्तमान राजनीतिक विषयों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। विधानसभा में प्रस्ताव पारित होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक और राजनीतिक स्थिति को लेकर बहस एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गई है। हालांकि प्रस्ताव का केन्द्रबिंदु पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना है, लेकिन बहस के दौरान अनुच्छेद 370, अनुच्छेद 35ए, विशेष दर्जे और स्वायत्तता जैसे विषय भी सामने आए। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जम्मू-कश्मीर की वर्तमान संवैधानिक स्थिति अगस्त 2019 में

हुए बड़े बदलावों के बाद अस्तित्व में आई थी। उस समय जम्मू-कश्मीर को पुनर्गठित कर दो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख बनाए गए थे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 25 सितंबर को विधानसभा में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने संबंधी प्रस्ताव पेश किया।

प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे को बहाल करने की मांग की गई है। विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का राजनीतिक महत्व इस बात में है कि यह केवल किसी राजनीतिक दल की मांग के रूप में नहीं, बल्कि निर्वाचित विधानसभा के प्रस्ताव के रूप में सामने आया है। हालांकि विधानसभा का प्रस्ताव अपने आप में केंद्र सरकार पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में अंतिम निर्णय संसद और केंद्र सरकार के संवैधानिक एवं विधायी

अधिकार-क्षेत्र से जुड़ा है। इसलिए प्रस्ताव को जम्मू-कश्मीर की निर्वाचित विधानसभा की राजनीतिक अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाना अधिक उपयुक्त है। यही वह बिंदु है जहां से जम्मू-कश्मीर के भविष्य के प्रशासनिक ढांचे

को लेकर केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश के बीच संवाद का प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है। नए प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर विधानसभा द्वारा अतीत में पारित प्रस्तावों का भी उल्लेख किया गया है। विशेष रूप से 2000 और 2024 के प्रस्तावों का संदर्भ इस बहस को ऐतिहासिक निरंतरता प्रदान करता है। इसका अर्थ यह है कि राज्य के दर्जे का प्रश्न केंद्र और राज्य के बीच बहाल करने की मांग की गई है। विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का राजनीतिक महत्व इस बात में है कि यह केवल किसी राजनीतिक दल की मांग के रूप में नहीं, बल्कि निर्वाचित विधानसभा के प्रस्ताव के रूप में सामने आया है। हालांकि विधानसभा का प्रस्ताव अपने आप में केंद्र सरकार पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में अंतिम निर्णय संसद और केंद्र सरकार के संवैधानिक एवं विधायी अधिकार-क्षेत्र से जुड़ा है। इसलिए प्रस्ताव को जम्मू-कश्मीर की निर्वाचित विधानसभा की राजनीतिक अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाना अधिक उपयुक्त है। यही वह बिंदु है जहां से जम्मू-कश्मीर के भविष्य के प्रशासनिक ढांचे

को लेकर केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश के बीच संवाद का प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है। नए प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर विधानसभा द्वारा अतीत में पारित प्रस्तावों का भी उल्लेख किया गया है। विशेष रूप से 2000 और 2024 के प्रस्तावों का संदर्भ इस बहस को ऐतिहासिक निरंतरता प्रदान करता है। इसका अर्थ यह है कि राज्य के दर्जे का प्रश्न केंद्र और राज्य के बीच बहाल करने की मांग की गई है। विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का राजनीतिक महत्व इस बात में है कि यह केवल किसी राजनीतिक दल की मांग के रूप में नहीं, बल्कि निर्वाचित विधानसभा के प्रस्ताव के रूप में सामने आया है। हालांकि विधानसभा का प्रस्ताव अपने आप में केंद्र सरकार पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में अंतिम निर्णय संसद और केंद्र सरकार के संवैधानिक एवं विधायी अधिकार-क्षेत्र से जुड़ा है। इसलिए प्रस्ताव को जम्मू-कश्मीर की निर्वाचित विधानसभा की राजनीतिक अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाना अधिक उपयुक्त है। यही वह बिंदु है जहां से जम्मू-कश्मीर के भविष्य के प्रशासनिक ढांचे

को लेकर केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश के बीच संवाद का प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है। नए प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर विधानसभा द्वारा अतीत में पारित प्रस्तावों का भी उल्लेख किया गया है। विशेष रूप से 2000 और 2024 के प्रस्तावों का संदर्भ इस बहस को ऐतिहासिक निरंतरता प्रदान करता है। इसका अर्थ यह है कि राज्य के दर्जे का प्रश्न केंद्र और राज्य के बीच बहाल करने की मांग की गई है। विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का राजनीतिक महत्व इस बात में है कि यह केवल किसी राजनीतिक दल की मांग के रूप में नहीं, बल्कि निर्वाचित विधानसभा के प्रस्ताव के रूप में सामने आया है। हालांकि विधानसभा का प्रस्ताव अपने आप में केंद्र सरकार पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में अंतिम निर्णय संसद और केंद्र सरकार के संवैधानिक एवं विधायी अधिकार-क्षेत्र से जुड़ा है। इसलिए प्रस्ताव को जम्मू-कश्मीर की निर्वाचित विधानसभा की राजनीतिक अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाना अधिक उपयुक्त है। यही वह बिंदु है जहां से जम्मू-कश्मीर के भविष्य के प्रशासनिक ढांचे

नशे में उड़ता पंजाब: बद अच्छा बदनाम बुरा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों जालंधर में यह घोषणा की, कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है, तो 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को पूरी तरह से नशे के कारोबार से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने राज्य की भगवंत मान सरकार को ह्दआपदह्न सरकार कशर देते हुये यह आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने राज्य में सिथेटिक ड्रग्स के अवैध कारोबार को खुलेआम फलने-फूलने दिया है। जबकि ह्दआपह्न नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार पंजाब को बदनाम कर रही है।

तनवीर जाफरी (लेखक)

पंजाब राज्य का भारतीय कृषि उत्पादन और देश की खाद्य सुरक्षा में सबसे अहम योगदान है। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 1.5% हिस्सा होने के बावजूद, पंजाब को ह्दभारत का अन्न भंडारह्द और ह्दभारत की खाद्य टोकरीह्द कहा जाता है। भारत सरकार द्वारा खरीदे जाने वाले कुल गेहूं का लगभग 46% हिस्सा अकेले पंजाब से आता है। केंद्रीय सरकार में जमा होने वाले कुल चावल के सकरी उपार्जन में भी पंजाब का लगभग 31% योगदान है। देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में पंजाब 13 से 14 प्रतिशत का योगदान देता है। गेहूं उत्पादन का लगभग 14% से 22% हिस्सा पंजाब में उगता है, जो इसे देश के शीर्ष उत्पादकों में बनाए रखता है। इसी तरह पंजाब देश के चावल उत्पादन का लगभग 10% से 11% हिस्सा उदा देता करता है। भारत के कुल दूध उत्पादन में भी पंजाब लगभग 6.2% से 10% का योगदान देता है। इसी तरह देश के शहद उत्पादन में भी पंजाब का योगदान करीब 20% और मशरूम उत्पादन में रिकॉर्ड 48% है। पंजाब की यह सफलता उसकी फसल सघनता के कारण है, जो 186% से भी अधिक है। राज्य का लगभग 82% से 87% भूभाग खेती के अंतर्गत आता है, जबकि राष्ट्रीय औसत केवल 40% है। यही कारण है कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने राज्य की भगवंत मान सरकार को ह्दआपदह्न सरकार करार देते हुये यह आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने राज्य में सिथेटिक ड्रग्स के अवैध कारोबार को खुलेआम फलने-फूलने दिया है। जबकि ह्दआपह्न नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार पंजाब को बदनाम कर रही है। ह्दआपह्न नेताओं ने गुजरात जैसे राज्यों के बंदरगाहों पर पकड़े जाने वाले भारी मात्रा में नशीले पदार्थों का हवाला देते हुए केंद्र की सीमा सुरक्षा की विफलता पर सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा किया है कि सत्ता में आने के 6 महीने के भीतर पंजाब के पूरे ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया जाएगा और नशे के व्यापारियों को जेल भेजा जाएगा। पंजाब में कथित तौर पर फैले नशा नेटवर्क को लेकर बनाई गई फिल्म ह्दउड़ता पंजाबह्न ने और भी इस विषय को प्रमुखता से कुछ इसतरह प्रचारित कर दिया गया देश का कृषि प्रमुख व भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के माध्यम से अपना अतुलनीय योगदान देने वाला देश का यही इकलौता राज्य है जो नशे में डूबा हुआ है। राजनीतिक दल भी एक-दूसरे को घेरने के लिए इस मुद्दे को कुछ इस तरह उछाल रहे हैं। मानो पंजाब का हर दूसरा नागरिक नशेड़ी हो। जो कि तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह गलत व निराधार है। जब हम राष्ट्रीय सन्दर्भ में पंजाब पर लगने वाले इसी ह्दलालंछनह्न व काले धब्बे का जायजा लेने की कोशिश करते हैं तो हमें आंकड़ों के अनुसार यह पता चलता है कि अरुणाचल प्रदेश राज्य शराब की खपत में देश में सबसे आगे है। यहाँ लगभग 53% पुरुष और 24% महिलाएं शराब का सेवन करती हैं। इसी तरह छत्तीसगढ़ और त्रिपुरा राज्यों में भी शराब की खपत का प्रतिशत अन्य राज्यों की तुलना में काफी अधिक है।



है। इससे निजता के साथ-साथ व्यक्ति की गरिमा और प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। इसके अतिरिक्त, डेटा उल्लंघन और साइबर हमले नागरिकों को निजता के लिए गंभीर खतरा है। वित्तीय जानकारी, स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स, पहचान संबंधी दस्तावेज और अन्य संवेदनशील सूचनाएँ चोरी होने पर पहचान की चोरी, वित्तीय धोखाधड़ी और ब्लैकमेल जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। समस्या को और जटिल बनाती है एल्गोरिथ्मिक प्रोफाइलिंग। जब स्वचालित प्रणालियाँ व्यक्तिगत डेटा के आधार पर लोगों के बारे में निर्णय लेने लगती हैं, तो गलत या पक्षपाती डेटा भेदभावपूर्ण परिणाम उत्पन्न कर सकता है। यदि ऐसी निर्णय-प्रक्रियाएँ पारदर्शी न हों, तो व्यक्ति के लिए अपने विरुद्ध लिए गए निर्णय को समझना या चुनौती देना कठिन हो जाता है।



से जम्मू-कश्मीर की राजनीति में दो अलग-अलग प्रश्न अक्सर एक-दूसरे से जुड़े दिखाई देते हैं। पहला- अगस्त 2019 से पहले की संवैधानिक स्थिति से जुड़े मुद्दे। दूसरा- जम्मू-कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना। इन दोनों विषयों को समान मानना संवैधानिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। राज्य का दर्जा एक प्रशासनिक संवैधानिक प्रश्न है, जबकि अनुच्छेद 370 से संबंधित प्रश्न भारत के संविधान और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों से भी जुड़ा हुआ है। इसलिए विधानसभा के वर्तमान प्रस्ताव का मूल विषय पूर्ण राज्य का दर्जा है, जबकि अनुच्छेद 370 और विशेष दर्जे को लेकर अलग राजनीतिक और संवैधानिक बहस मौजूद है। प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाजपा विधायकों ने स्वायत्तता तथा अगस्त 2019 से पहले की संवैधानिक स्थिति के संदर्भों का विरोध किया। भाजपा सदस्यों ने सदन में नारेबाजी की और बाद में बहिर्गमन किया। यह घटनाक्रम जम्मू-कश्मीर की राजनीति में मौजूद वैचारिक अंतर को सामने लाता है। एक तरफ प्रस्ताव का



जबकि अफीम के सेवन में मिजोरम का नाम देश में सबसे आगे आता है। इसी तरह भांग व गांजे की चपेट में आने वाले सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश और बिहार का नाम सर्वोपरि आता है। जबकि हशीश व चरस जैसे शोन के लिये हिमाचल के कसौल व मलाना जैसे इलाकों को सबसे प्रमुख माना जाता है। इस इलाके में तो लाखों की संख्या में विदेशी विशेषकर इस्त्राएली नागरिक स्थायी रूप से यहाँ रहकर न केवल नशा करते हैं बल्कि इसके कारोबार में भी शरीक हैं। कसोल- मलाना का यह नेटवर्क गोवा तक फैला हुआ है। हाँ, पंजाब में अफीम की श्रेणी से जुड़े नशों का इस्तेमाल इस समय ज्यादा जरूर हो रहा है, जिनमें ह्दचिट्ठाह्न जोकि हेराॅइन और सिथेटिक ड्रग्स का मिश्रण है, यह सबसे खतरनाक है। इसके अलावा पारंपरिक तौर पर भुक्की व अफीम का चलन भी तेजी से बढ़ा है। परन्तु सवाल यह है कि जिस सिख बाहुल्य राज्य में जहाँ की बड़ी आबादी धूम्रपान को भी वर्जित समझती हो और कई शहरों,कस्बों व

गांवों में तो बीड़ी,सिगरेट व तम्बाकू भी आसानी से उपलब्ध न हो उस समाज से जुड़े लोग आखिर नशे की गिरफ्त में कैसे आ गये ? दरअसल जो पंजाब कभी हरित प्रदेश और बिहार का समृद्धि था वह पिछले कुछ दशकों में खेती से आमदनी घटने, उद्योगों में कमी और शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी बढ़ने के कारण निराशा में डूबता जा रहा है। दूसरी बात यह कि पंजाब के युवाओं में अमेरिका,कनाडा,यू के और ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में जाने की भारी होड़ लगी रहती है। परन्तु इन युवाओं का वीजा नहीं लग पाता या तो असफल हो जाते हैं। अथवा ठगे जाते हैं , वे मानसिक तनाव और अवसाद के कारण भी नशे की लत का शिकार हो रहे हैं। जहाँ तक नशीली सामग्री की उपलब्धता का सवाल है तो पंजाब की पाकिस्तान के साथ करीब 553 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा लगती है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होने वाली ड्रग्स की तस्करी के लिए पंजाब एक ह्दट्राजिट रुटह्न बन जाता है।

संक्षिप्त खबरें

बिजनौर । थाना चांदपुर पुलिस ने मारपीट, पथराव और जान से मारने की नीयत से हमला करने के मुकदमे में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है ।पुलिस ने दोनों आरोपियों को वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर जेल भेज दिया है । क्या था पूरा मामला ? प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 8 सितंबर 2026 को उपनिरीक्षक जितेंद्र सिंह की तहरीर पर पुलिस ने दो पक्षों के बीच हुई गंभीर हिंसक घटना के संबंध में मामला दर्ज किया था । इस घटना में प्रथम पक्ष के पिंटू सिंह, हिमांशु कुमार व आदित्य तथा द्वितीय पक्ष के हर्ष चौहान, हनी, आशु शर्मा, सतेन्द्र, विश्वास शर्मा, हिमांशु, आदेश देवी और 4 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ जान से मारने की नीयत से मारपीट करने, पथराव करने, गाली-गालौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोपों में मु0अ0तु0 532/2026, धारा 109(1), 190, 191(2), 115(2), 352, 351(3), 125(1) बी0नए0स (इटर) तथा 7 सीएलए एक्ट (उऊअ अउ३) के तहत मामला पंजीकृत किया गया था ।पूर्व में हुई कार्रवाइयों नामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने 30 सितंबर 2026 को द्वितीय पक्ष के अभियुक्त हर्ष चौहान और सतेंद्र को गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेज दिया था ।इसके अलावा, 1 अक्टूबर 2026 को घटना में शामिल एक बाल अपचारी को पुलिस अतिरक्षित नैलेकर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था । आज हुई गिरफ्तारी दिनांक 4 अक्टूबर 2026 को चांदपुर पुलिस ने मामले में वांछित चल रहे प्रथम पक्ष के दो मुख्य अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की । गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों का विवरण इस प्रकार है: * पिंटू सिंह पुत्र उमराव सिंह, निवासी ग्राम मदारीपुर, थाना चांदपुर, जनपद बिजनौर । * हिमांशु कुमार पुत्र सुशील कुमार, निवासी ग्राम मदारीपुर, थाना चांदपुर, जनपद बिजनौर ।पुलिस का कहना है कि मुकदमे में नामजद अन्य व्यक्ति अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी हैं और जल्द ही उन्हें भी कानून के काजजे में लिया जाएगा ।

पुलिस टीम का योगदान अभियुक्तों को पकड़ने वाली पुलिस टीम में मुख्य रूप से उपनिरीक्षक यशवीर सिंह, कांस्टेबल प्रदीप संरवाल (1542), कांस्टेबल देवव्रत (1814) तथा कांस्टेबल राहुल कुमार (1790) शामिल रहे । 1960 से हर साल रामनगर आ रहे राम बाबू, बोले- पहले पैदल-नाव से आते थे, अब बच्चे बाइक से लाते हैं

रामनगर । की विश्व प्रसिद्ध रामलीला में रविवार को वनगमन के बाद निषादवाज प्रसंग का मंत्रन हुआ ।लीला देखने पहुंचे दर्शकों में कुछ ऐसे भी थे, जिनका रामलीला से रिश्ता एक-दो साल नहीं, बल्कि पीढ़ियों पुराना है । भैरवनाथ के राम बाबू 1960 से लगातार रामलीला देखने आ रहे हैं । कहते हैं— ब्रह्म रामलीला देखने नहीं आते, हमें तो भगवान बुलाते हैं । कभी गंगा पार कर नाव से और कई बार पैदल पहुंचने वाले राम बाबू अब उस बाढ़ के बाद बच्चों की बाइक से रामनगर आते हैं । मुगलसराय के नंदलाल सिंह भी करीब 50 साल से हर साल यहां पहुंच रहे हैं । रामनगर की रामलीला में दर्शकों को नेमी कहा जाता है, यानी वो लोग जो पीढ़ियों से रामलीला देखने आ रहे हैं यह अनिश्चित दर्शक होते हैं और इनके पूर्वज और यह सदियों से रामलीला देखने आते हैं । 1960 से एक भी साल नहीं छूटी रामलीला भैरवनाथ निवासी राम बाबू बताते हैं कि वह 1960 से लगातार रामनगर की रामलीला देखने आ रहे हैं । ऐसा कोई साल नहीं रहा जब उन्होंने रामलीला न देखी हो ।

स्वास्थ्य सेवाओं में स्टाफ की कमी पर सांसद चंद्रशेखर ने उद्घाटन सत्र

162 चिकित्सा अधिकारी पदों में 90 रिक्त, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के 335 और पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के 156 पद खाली

प्रातः किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

धामपुर । नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में कर्मचारियों की भारी कमी का मुद्दा उठाते हुए सरकार से व्यवस्था में सुधार की मांग की। शनिवार को धामपुर के गांव जोगी की राईस्थ अपने आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में सांसद ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में पर्याप्त स्टाफ नहीं होने के कारण आम लोगों, विशेषकर गरीबों को बेहतर

मौलाना डॉ सियादत नकवी के चहलूम पर मजलिस का आयोजन

इल्म की अहमियत पर मौलाना कल्बे जवाद साहब ने किया खिताब

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा । नगर के शफाअत पोता स्थित हुसैनी हाल में मरहूम हुज्जतुल इस्लाम वालमुसलेमीन मौलाना डॉक्टर सैयद मोहम्मद सियादत नकवी साहब (इब्न मरहूम हुज्जतुल इस्लाम वालमुसलेमीन मौलाना सैयद कल्बे जव्वाद नकवी साहब ने खेताब फरमाया । मौलाना कल्बे जव्वाद इब्नद अने अपने बयान का मुख्य शीर्षक हाइस्लूह रखा । अपने खिताब के दौरान उन्होंने मरहूम हजरत मौलाना सियादत नकवी साहब और उनके घराने की इल्मी खिदमात को विस्तार से बयान किया।

ट्यूबवेल और दुकानों से चोरी करने वाले शातिर गिरोह का पदार्फाश, कबाड़ी सहित दो गिरफ्तार

पुलिस लाइन में एसपी देहात गौतम राय ने किया घटना का खुलासा , चोरी का माल और 19,000 की नगदी बरामद

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर । जनपद बिजनौर की थाना शिवालाकलां पुलिस ने क्षेत्र में लगातार हो रही ट्यूबवेल और दुकानों में चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है । इस पूरे घटनाक्रम का औपचारिक खुलासा पुलिस लाइन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान एसपी देहात गौतम राय द्वारा किया गया ।पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किए गए केबिल, कॉपर के तार तथा चोरी का सामान बेचकर प्राप्त की गई कुल 19,000 की नगदी बरामद की है । ट्यूबवेल से तार और दुकान से बैटरे-इन्वर्टर किए थे थार

एसपी देहात गौतम राय ने प्रेसवार्ता में बताया कि ग्राम सराय निवासी गौरव

वोटबचाओ, लोकतंत्र बचाओ मार्च 7 अक्टूबर को :कांग्रेस

ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और मतदाता सूची में बदलावों की जांच की मांग

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश तथा इंडिया गठबंधन के आह्वान पर रविवार को जिला कांग्रेस कमेटी अमरोहा की बैठक शहर स्थित महर्षि बालमीकि अश्रम में जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक के बाद प्रेसवार्ता आयोजित कर कांग्रेस नेताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने, उनके कार्यकाल में लिए गए निर्णयों एवं मतदाता सूची में किए गए बदलावों को स्वतंत्र जांच कराने की मांग की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया ने कहा कि पार्टी के ह्वाते चोर, गद्दी छोड़हू कार्यक्रम के तहत आगामी 7 अक्टूबर को सुबह 11 बजे बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क से गांधी मूर्ति तक ह्वाते बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओहू मार्च निकाला जाएगा। इसमें इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं की भी सहभागिता रहेगी। ओमकार कटारिया ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग के भीतर निर्णय प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल सामने आए हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 महीनों में दो निर्वाचन आयुक्तों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कुछ निर्णयों पर कई बार औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने तथा निर्वाचन आयोग की आईटी व्यवस्था से जुड़े निर्णयों को लेकर पारदर्शिता जरूरी है। उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर पद के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सचिन चौधरी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार को तत्काल पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

हेलमेट न पहनने वालों का चालान काटने के बजाय बिजनौर पुलिस ने की अनूटी पहल: 526 चालकों को मौके पर ही खरीदवाए हेलमेट

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर : सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए बिजनौर यातायात पुलिस ने एक सराहनीय और मानवीय पहल की है। पुलिस अधीक्षक, जनपद बिजनौर के माददर्शन में चलाए गए 5 दिवसीय विशेष अभियान के तहत हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों पर केवल चालान की कार्रवाई करने के बजाय उन्हें हेलमेट के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस की समझाइश और प्रेरणा पर 526 वाहन चालकों ने मौके पर ही अपनी स्वेच्छा से हेलमेट खरीदे, उन्हें पहना और फिर अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। यातायात पुलिस का उद्देश्य वाहन चालकों को केवल दंडित करना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षा के प्रति



कुमार ने 3 अक्टूबर 2026 को तहरीर दी थी कि 2/3 अक्टूबर की रात अज्ञात चोरों ने गांव के ट्यूबवेलों से कॉपर के तार और केबिल चोरी कर लिए हैं। इसके अलावा, 21 अगस्त 2026 को ग्राम अजुपुर निवासी दिव्यजय सिंह की दुकान से भी 02 बैटरे, 01 इन्वर्टर और कपड़े चोरी होने का मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने दोनों मामलों में बीएनएस (इटर) की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज



उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मामलों की निष्पक्ष एवं व्यापक समीक्षा कराई जाए। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती, कांग्रेस का विरोध जारी रहेगा। प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मेराज हुसैन ने कहा कि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की अनियमितता लोकतंत्र और आम नागरिक के संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने, उनके कार्यकाल में लिए गए निर्णयों की जांच कराने तथा दोष सिद्ध होने पर कानून के अनुसार कार्रवाई की मांग की। प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आगामी मार्च के माध्यम से मतदाता अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा का संदेश दिया जाएगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सचिन चौधरी, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मेराज हुसैन, चौधरी सुखराज सिंह, राजकुमार, अरुण, डॉ. अहमद मुर्तजा, फैज आलम राईनी, शाहिद सिद्दीकी खेड़ी, हाजी खुशींद, अनवर अली, इमाम रिजवी, यासिर अंसारी, ऋषिपाल धीमान, ओम प्रकाश पवार, अमरजीत कोहली, मयंक गुर्जर, महिपाल सिंह जाटव, इंतजार मेहंदी नकवी, नितिन पराग, फरमान अहमद, शहाबुद्दीन सैफी और समीर अहमद सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

हेलमेट न पहनने वालों का चालान काटने के बजाय बिजनौर पुलिस ने की अनूटी पहल: 526 चालकों को मौके पर ही खरीदवाए हेलमेट



जिम्मेदार बनाना है।

05 अक्टूबर 2026 से चलेगा सचन चेकिंग अभियान यातायात पुलिस बिजनौर द्वारा 05 अक्टूबर 2026 से नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ा चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इसमें मुख्या रूप से निम्नलिखित उल्लंघनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी:

* बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालान।

* दोपहिया वाहन पर तीन सवारी (ट्रिपल राइडिंग) बैठाना।

* वाहनों में मॉडिफाइड एवं तेज आवाज वाले साइलेंसर का उपयोग करना।

* शराब या अन्य नशे की हालत में वाहन चालाना (ड्रंक एंड ड्राइव)।

* यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले अन्य चालकों पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई। यातायात पुलिस की अपील यातायात पुलिस ने सभी जनपदवासियों से अपील की है कि वाहन चलते समय खुद भी हेलमेट पहनें और पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी हेलमेट जरूर पहनाएं। ट्रिपल राइडिंग, मॉडिफाइड साइलेंसर और नशे में वाहन चालाने से बचें। आपका थोड़ी सी सावधानी आपके और आपके परिवार के जीवन को सुरक्षित रख सकती है।

कार्यकर्ता पुरुष के 177 स्वीकृत पदों में केवल 21 कर्मचारी कार्यरत हैं, जबकि 156 पद खाली पड़े हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उत्तर प्रदेश को भेजे गए पत्र में सामने आए अंकड़ों से स्पष्ट होती है। सांसद ने केंद्र और प्रदेश सरकार से स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों को शीघ्र भरने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की मांग की। प्रेस वार्ता के दौरान सांसद ने बड़े डिजिटल भुगतान पर प्रस्तावित शुल्क व्यवस्था को लेकर व्यापारियों की चिंता भी उठाई। उन्होंने कहा कि यदि डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क का प्रवधान लागू होता है तो इसका असर व्यापार पर पड़ सकता है और इसकी भरपाई का बोझ अंततः आम उपभोक्ताओं तथा गरीब वर्ग पर पड़ने की आशंका है। बसपा सुप्रीमो मायावती के बयान से जुड़े सवाल पर चंद्रशेखर ने कहा कि वह उनकी बड़ी हैं और राजनीति में आलोचना चलती रहती है। उन्होंने बिजनौर में दलित दंपति से जुड़े मामले में हत्या की आशंका जताते हुए कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि एवं जिला पंचायत सदस्य विवेक सेन, आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष सतेन्द्र कुमार, सांसद प्रतिनिधि ओमपाल बालियान, सांसद प्रतिनिधि रोहित सागर तथा भीम आर्मी के महासचिव रजनीश कुमार मौजूद रहे।

देश की प्रगति में अपना सकारात्मक योगदान दे सकेगी। उन्होंने हजरत अली के शिक्षा से सम्बन्धित संदेश भी पढ़ कर सुनाए और उस पर अमल करने की बात कही। मजलिस की शुरूआत से पहले सिब्ते सच्चाद नकवी और उनके हमनवा द्वारा सौज ख्वानी की गई। इस मौके पर मरहूम के सुपुत्र डॉ. सैयद अहसन अख्तर नकवी (इमाम-ए-जुमा, अमरोहा) और सैयद हुसैन अख्तर नकवी, प्रोफेसर हसनैन अख्तर, हबीब अहमद एड, इस्लाम आलमी एड, खालिद सिद्दीकी, कौसर अली अब्बासी, खुशींद जैदी, सैय्यद मुबारक, मौलाना कुर्तुल ऐन हैदर मुन्तबा, मौलाना डॉ शहवार हुसैन, सलीम अमरोहावी, नवाब मुराद अली खान, महबूब जैदी के साथ साथ अमरोहा, अलीगढ़, दिल्ली, मुरादाबाद, सिरसी, नौगांवा के उलेमा व भारी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। संचालन प्रोफेसर नाशिर नकवी ने किया। इस अवसर पर हुसैनी पीस मिशन द्वारा मौलाना की ज़िंदगी और शोक संदेश पर आधारित किताब फख्र इबादत का भी विमोचन किया गया।

सुखरो वियर के सामने नदी पाटकर खनन का आरोप

जलापवाह बाधित होने से वियर और सिंचाई व्यवस्था पर असर की आशंका

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर । सुखरो वियर के सामने सुखरो नदी में कथित रूप से खनन के लिए नदी का प्रवाह बाधित कर रास्ता बनाए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि नदी को पाटकर तैयार किए जा रहे रास्ते से खनन में इस्तेमाल होने वाले भारी डम्परों को निकाला जाना है। इससे वियर, स्पलाई चैनल और उसके सेवा मार्ग की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई है। सुखरो वियर में पानी का भंडारण कर स्पलाई चैनल के माध्यम से किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जाता है। ऐसे में वियर के निकट नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव से जलस्तर, नदी तल में गाद जमाव और कटाव की स्थिति प्रभावित होने की आशंका रहती है। बताया गया है कि वर्तमान में वियर के

वक्त की हर शह गुलाम... : फर्जी नियुक्ति के आरोपी बाबू के इशारे पर चल रहा बेसिक शिक्षा विभाग, बीएसए की कार्यशैली पर उठे सवाल

खुद की नियुक्ति पर जांच की तलाब लटकी, फिर भी तबादलों और आउटसोर्सिंग नियुक्तियों में ह्रासपर बीएसएहू की भूमिका में है राकेश बाबू

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

वक्त से दिन और रात, वक्त से कल और आज... वक्त की हर शह गुलाम, वक्त का हर सौ पे राजहू – फिल्म ह्यूक्तरहू का यह नगमा इन दिनों बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सटीक बैठ रहा है। अंतर सिर्फ इतना है कि यहां ह्राशहहू की भूमिका में कोई अधिकारी नहीं, बल्कि फर्जी नियुक्ति के गंभीर आरोपों से घिरा विभाग का एक बाबू राकेश है, जिसके इशारे पर पूरा महकमा चलने के आरोप लग रहे हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार राकेश बाबू की अपनी नियुक्ति ही विवादों के घेरे में है। बताया जा रहा है कि उसकी नियुक्ति

श्वेतिका का गोल्डन रिकॉर्ड: 12 साल की उम्र में 16 वर्ष वर्ग में जीता गोल्ड, नेहरू स्टेडियम में मयंक मयूर दौड़ में रचे नए कीर्तिमान

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर । शहर के ऐतिहासिक नेहरू स्टेडियम में विवेकानन्द दिव्य भारती उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित चतुर्थ मयंक मयूर स्मृति दौड़ प्रतियोगिता में नन्हें धाविका श्वेतिका ने ऐसा चमत्कारी प्रदर्शन किया, जिसने खेल जगत को हिलाकर रख दिया। महज 12 साल की उम्र में उन्होंने न केवल अपने आयु वर्ग, बल्कि खुद से चार साल बड़े 16 वर्ष से कम आयु वर्ग की 400 मीटर की दौड़ भी जीतकर एक नया और ऐतिहासिक कीर्तिमान रच दिया। प्रतियोगिता में 100 से अधिक उदीयमान खिलाड़ियों की मौजूदगी में श्वेतिका ने ट्रैक पर अपनी अकल्पनीय गति, सहनशक्ति और तकनीक का ऐसा बेजोड़ तालमेल दिखाया कि स्टेडियम में मौजूद हर खेलप्रेमी और कोच सन्न

सेवा सेतु शिविर में विभिन्न योजनाओं के लिए 16 आवेदन प्राप्त

प्रातः किरण संवाददाता

स्योहारा । सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर पालिका परिषद स्योहारा के सभाकक्ष में 3 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक सात दिवसीय सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को शिविर का शुभारंभ नगर पालिका परिषद स्योहारा के अध्यक्ष फैसल वारसी एवं अधिशासी अधिकारी विजेन्द्र सिंह पाल ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में नगरवासियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए अलग-अलग विभागों के स्टॉल लगाए गए हैं।इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0, प्रधानमंत्री स्ट्रीट वैंडर्ड योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, खाद्य एवं रसद विभाग की योजनाओं तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विधवा

सेवा संकल्प एवं सेवा सेतु अभियान के तहत स्वास्थ्य में सात दिवसीय ब्लॉक स्तरीय मेले का शुभारंभ

भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव सिसोदिया व ब्लॉक प्रमुख उज्जवल चौहान ने प्रीता काटकर किया उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा।। सेवा संकल्प एवं सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत शनिवार को विकासखंड स्योहारा में सात दिवसीय ब्लॉक स्तरीय मेले का शुभारंभ किया गया। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस स्योहारा में आयोजित मेले का उद्घाटन भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष राजीव सिसोदिया एवं ब्लॉक प्रमुख स्योहारा उज्जवल चौहान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मेला 3 से 9 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। मेले में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास, पशुपालन, कृषि, शिक्षा, सोलर, पंचायती राज, समाज कल्याण सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से आमजन को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं तथा पात्रता और आवेदन की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। सीएचसी स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बीके स्नेही के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगाए गए स्टॉल पर लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं और राष्ट्रीय स्वास्थ्य

सुखरो वियर के सामने नदी पाटकर खनन का आरोप

जलापवाह बाधित होने से वियर और सिंचाई व्यवस्था पर असर की आशंका

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर । सुखरो वियर के सामने सुखरो नदी में कथित रूप से खनन के लिए नदी का प्रवाह बाधित कर रास्ता बनाए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि नदी को पाटकर तैयार किए जा रहे रास्ते से खनन में इस्तेमाल होने वाले भारी डम्परों को निकाला जाना है। इससे वियर, स्पलाई चैनल और उसके सेवा मार्ग की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई है। सुखरो वियर में पानी का भंडारण कर स्पलाई चैनल के माध्यम से किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जाता है। ऐसे में वियर के निकट नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव से जलस्तर, नदी तल में गाद जमाव और कटाव की स्थिति प्रभावित होने की आशंका रहती है। बताया गया है कि वर्तमान में वियर के



पुनरुद्धार का कार्य भी चल रहा है। सिंचाई विभाग से जुड़े अधिकारियों के अनुसार सिंचाई संरचना के निकट खनन पट्टे की अनुशंसा विभाग द्वारा नहीं की जाती। इस वर्ष भी ऐसी कोई अनुशंसा नहीं किए जाने की बात कही गई है। विभाग के जूनियर इंजीनियर के अनुसार संबंधित लोगों को मौखिक रूप से कई बार खनन रोकने के लिए कहा गया, लेकिन गतिविधि जारी

वक्त की हर शह गुलाम... : फर्जी नियुक्ति के आरोपी बाबू के इशारे पर चल रहा बेसिक शिक्षा विभाग, बीएसए की कार्यशैली पर उठे सवाल

में फजीवाड़े को लेकर जांच के आदेश भी जारी हुए थे, लेकिन विभागीय सांठगांठ के चलते वह जांच रिपोर्ट आज तक फाइलों में ही दबी पड़ी है। सूत्रों का कहना है कि खुद पर जांच लंबित होने के बावजूद राकेश बाबू ने राजनीतिक रसूख के बल पर कार्यालय में मजबूत पकड़ बना रखी है। आलम यह है कि नीतिगत फैसलों से लेकर तबादले और आउटसोर्सिंग पर होने वाली नियुक्तियों तक में उसकी भूमिका ह्रासपर बीएसएहू जैसी बताई जा रही है। बीएसए के दावों और हकीकत में अंतर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना अक्सर हूना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैरहू की बात कहकर कार्यालय में अनुशासन और निष्पक्षता का दावा करते हैं। लेकिन विभागीय गलियारों में चर्चा है कि जमीनी हकीकत इसके उलट है। आरोप है कि पहले कागजों में नियमों का हवाला देकर विवादित

नियुक्तियों, जैसे डीसी ट्रेनिंग पद, को निरस्त किया जाता है और बाद में पदों के पीछे से राजनीतिक दबाव व राकेश बाबू की सिफारिश पर उसी आदेश को रातों-रात रद्द दिया जाता है। डिस्पैच रजिस्टर खोलेगा पोल यदि कार्यालय के डिस्पैच रजिस्टर और संबंधित पत्रावलियों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो इस दोहरे रवये की सच्चाई सामने आ सकती है। आरोप है कि किस तरह पहले निरस्तीकरण के आदेश जारी हुए और फिर उन्हें बैक डेट में या सिफारिश के आधार पर बहाल कर दिया गया। बड़ा सवाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब विभाग का संचालन करने वाला प्रमुख कार्रिदा ही खुद फर्जी नियुक्ति के आरोपों से घिरा हो, तो उसके द्वारा की गई अन्य नियुक्तियां और वित्तीय निर्णय पारदर्शी कैसे हो सकते हैं? अब देखना होगा कि शासन इस कथित सिंडिकेट और दबी पड़ी जांच फाइलों पर क्या कार्रवाई करता है

श्वेतिका का गोल्डन रिकॉर्ड: 12 साल की उम्र में 16 वर्ष वर्ग में जीता गोल्ड, नेहरू स्टेडियम में मयंक मयूर दौड़ में रचे नए कीर्तिमान

प्रातः किरण अवनीश त्यागी



रह गया। 12 वर्ष से कम आयु वर्ग में 100 मीटर और 200 मीटर की दौड़ में उम्मीद के मुताबिक पहले स्थान पर कब्जा जमाने के बाद, उन्होंने जब 16 वर्ष वर्ग की 400 मीटर दौड़ में हुंकार भरी, तो कोई अंदाजा नहीं लगा सकता था कि वह दिग्गज धाविकाओं को भी पीछे छोड़ देंगी। लेकिन शुरूआत से ही एक-एक कदम पर अपनी हग्नोल्डनहू रफ्तार को साबित करते

हुए, श्वेतिका ने फिनिशिंग लाइन पर सबसे पहले पहुंचकर हर किसी को आश्चर्यचकित कर दिया। एक ही आयोजन में तीन-तीन स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने बिजनौर के खेल इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज करा लिया है। ट्रैक पर शाहनवाज और दक्ष का भी रहा जलवा श्वेतिका की इस ऐतिहासिक दौड़ के अलावा अन्य युवा एथलीटों ने भी अपनी



पेंशन, दिव्यांग पेंशन और वृद्धावस्था पेंशन योजना सहित अन्य योजनाओं से संबंधित आवेदन लिए जा रहे हैं।नगर पालिका परिषद की ओर से शिविर की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए नगर में मुनादी भी कराई गई है, ताकि पात्र लोग शिविर में पहुंचकर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। पहले दिन विभिन्न योजनाओं के लिए कुल 16 आवेदन प्राप्त हुए। नगर पालिका अधिकारियों ने बताया कि सेवा सेतु शिविर का उद्देश्य पात्र



लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवेदन प्रक्रिया को आसान बनाना है। शिविर 9 अक्टूबर तक जारी रहेगा। इस दौरान लेखा लिपिक/ अधिखन लिपिक देवेन्द्र सिंह, लिपिक चांदनी रईस, मोहम्मद शान, अमित कुमार, ओमप्रकाश सिंह, नौशाद अहमद, दिलशाद अहमद, जूवैशी हुसैन, फय्याजुद्दीन, कंप्यूटर ऑपरेटर पंकज कुमार, रामगोपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

सहायिकाओं को मुख्य अतिथि द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। मुख्य अतिथि राजीव सिसोदिया ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने लोगों से पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर घर शौचालय, आयुष्मान काांभ, राशन कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। वहीं ब्लॉक प्रमुख उज्जवल चौहान ने कहा कि मेले का उद्देश्य दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी अरुण कुमार, एडी पंचायत अरुण कुमार, आशीष कुमार, समरपाल सिंह, सीडीपीओ हेमलता सैनी, खंड शिक्षा अधिकारी कपिल कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। सीएचसी स्योहारा से डॉ. अनमोल अरोड़ा, डॉ. हाशिम, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. शाहिद, एचआई राजेश कुमार, आईओ वीर सिंह, फार्मासिस्ट हरीश कुमार, उमेश कुमार, सुमित कुमार, स्टाफ नर्स रंजीदा, चित्रा चौहान, कनिका शर्मा, लोकेश, सगिनी एवं आशा कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।



कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। इस दौरान विशेष जांच शिविर लगाकर दवाओं का वितरण भी किया गया। डॉ. स्नेही ने बताया कि मिशन इंद्रधनुष, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आयुष्मान भारत, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, ई-संजीवनी, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, राष्ट्रीय डायलिसिस, टीबी मुक्त भारत तथा संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ सीएचसी स्तर से लोगों को उपलब्ध कराया जा रहे है।महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से अन्नप्राशन एवं गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं





सुशांत सिंह राजपूत के साथ फिर काम करने वाली थीं परिणीति क्यो नही बन पाई फिल्म?

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने साल 2013 में आई फिल्म 'शुद्ध दैसी रोमांस' में साथ काम किया था। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बात करते हुए एक्टर को याद किया और उनसे जुड़े कुछ किस्से भी शेयर किए। परिणीति ने बताया कि जब सुशांत को उनके नेशनल अवॉर्ड मिलने की खबर पता चली थी, तो वह उनके लिए खुश हुए थे। परिणीति ने सुशांत को अपना बड़ी और चौरलीजर बताया।

क्या बोलीं परिणीति चोपड़ा

परिणीति ने शूटिंग के दौरान का एक खास किस्सा बताया। एक ब्रेक के दौरान वह होटल के पूल के पास सुशांत और दिवंगत दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर के साथ बैठी थीं। तभी फिल्ममेकर करण जोहर का उन्हें मैसेज आया, जिसमें लिखा था कि मुबारक हो। परिणीति ने बताया, 'मुझे करण जोहर का मैसेज आया और उसमें लिखा था मुबारक हो। मैं सोच रही थी कि किस बात के लिए। सुशांत काफी एक्साइटेट हो गए और उन्होंने कहा कि वह पता लगाएंगे।' फिर जब पता चला कि नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा हो गई है, तो सुशांत खुशी से पूल के पास रखी कुर्सियों पर चढ़ गए और बोले कि मैं नेशनल अवॉर्ड विनर के साथ काम कर रहा हूँ। इस पल को याद करते हुए परिणीति ने कहा, 'मैंने कभी किसी को मेरे लिए इतना एक्साइटेट और इतना खुश होते हुए नहीं देखा। ऋषि सर ने कहा कि तुम दोनों पागल हो गए हो। सुशांत ने मुझे लुलें लगाया और मैं रोने लगी।'

फिर साथ काम करने वाले थे परिणीति और सुशांत?

फिल्म से अलग भी परिणीति और सुशांत के बीच अच्छी दोस्ती थी। दोनों के बीच पढ़ाई और दूसरे विषयों को लेकर भी बातचीत होती थी। परिणीति ने बैंकिंग की पढ़ाई की है, जबकि सुशांत ने एक्टिंग में आने से पहले इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। इसके बारे में बात करते हुए परिणीति ने कहा, 'सुशांत और मैं पढ़ाई से जुड़ी बातें किया करते थे। हम स्टार्स, इकोनॉमिक्स और दूसरी चीजों के बारे में बात करते थे। वह मुझे बहुत समझता था और मैं भी उसे समझती थी।' परिणीति ने यह भी बताया कि दोनों एक फिल्म में साथ काम करने वाले थे, जिसे होमी अदजानिया डायरेक्ट करने वाले थे। हालांकि, यह फिल्म किसी वजह से आखिरकार नहीं बन सकी।

अंकित गुप्ता से ब्रेकअप पर प्रियंका चौधरी ने पहली बार तोड़ी चुप्पी

टीवी अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी इन दिनों रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' में नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर उनके शहजाद पूनावाला के साथ लड़ाई के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन सबके बीच अब अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, कई वर्षों से ऐसी खबरें आती रही कि वह 'उड़ारिया' के को-स्टार अंकित गुप्ता को डेट कर रही थीं, लेकिन पिछले साल दोनों का ब्रेकअप हो गया। अब बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉडकास्ट 'ऑनैस्टली व्हाई नॉट' में प्रियंका ने पहली बार अंकित के साथ अपने ब्रेकअप पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वह अंकित से शादी करना चाहेंगी।

क्या बोलीं प्रियंका

कई वर्षों तक अपने रिश्ते को छिपाने के बाद प्रियंका चाहर ने पहली बार इस बारे में खुलकर बात की। उन्होंने पहली बार अपने ब्रेकअप का जिक्र करते हुए कहा, 'यह उसके और मेरे बीच की बात है। कई बार किसी रिश्ते का अच्छा होना सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि दो लोग साथ हैं या नहीं।' बातचीत के दौरान होस्ट ने प्रियंका से पूछा कि अगर अंकित सही लोगों के साथ नहीं हैं, तो उन्हें सही दिशा कौन दिखा सकता है। इस पर 'नागिन 7' की एक्ट्रेस ने कहा, 'कोई भी किसी दूसरे को दिशा नहीं दिखा सकता। हम दोनों काफी समझदार हैं, हमने अपनी जिंदगी खुद बनाई और आगे भी खुद ही बनाएंगे। मैं उनकी जिंदगी में क्या चल रहा है, उसमें

नहीं जाना चाहती। हम सभी बड़े हो चुके हैं और जिंदगी देख चुके हैं, इसलिए हमें पता है कि क्या करना है। एक-दूसरे के साथ रहकर उन्हें गाइड करना, मुझे नहीं लगता कि इससे कुछ होगा। वह बहुत अच्छे इंसान हैं।'

रैपिड फायर में बोलीं प्रियंका

इसके बाद रैपिड फायर राउंड में प्रियंका से पूछा गया कि अगर उन्हें अभिषेक मल्हान, नमिक पॉल और अंकित गुप्ता में से किसी एक को 'किल, मैरी और हुकअप' करना हो तो वह किसे चुनेंगी। प्रियंका ने थोड़ा झिझकते हुए कहा कि वह 'बैटलग्राउंड' में अपनी दुश्मनी की वजह से अभिषेक मल्हान को किल करेंगी। 'नागिन 7' के को-स्टार नमिक पॉल के साथ हुकअप करेंगी और अंकित गुप्ता से शादी करेंगी। प्रियंका ने कहा, 'मैं अंकित गुप्ता से शादी करना चाहूंगी। वह शादी के लायक हैं।'

ब्रेकअप पर बोलीं प्रियंका

जब प्रियंका से पूछा गया कि क्या उन्हें अंकित से ब्रेकअप करने का अफसोस है और उनके मुताबिक उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की उनकी जगह ले सकती है, तो अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे अपनी जिंदगी में किसी भी चीज का अफसोस नहीं है। मैंने जो भी फैसला लिया, वह ठीक है। और मैं कौन होती हूँ यह तय करने वाली कि उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की मेरी जगह ले सकती है? एक्स को एक्स ही रहने दो।'

शादी के बाद बदली अविका गौर की जिंदगी

अभिनेत्री अविका गौर इस समय अपनी शादीशुदा जिंदगी का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि शादी के बाद उनकी जिंदगी किस तरह बदल गई है और इससे उन्हें क्या सीखने को मिला है। अभिनेत्री ने बताया कि शादी ने उन्हें सिखाया है कि प्यार हमेशा बड़े-बड़े रोमांटिक जेस्चर में नहीं होता बल्कि एक-दूसरे को समझने और साथ रहने में होता है।

अभिनेत्री ने कहा, 'पहली साल मुझे समझ आया कि प्यार बड़े-बड़े जेस्चर से ज्यादा एक-दूसरे को समझने में है और ये समझना कि कब स्पेस देना, कब सुनना, कब बातों को हंसी में टाल देना है। सबसे जरूरी, यह जानना है कि भले ही आप किसी छोटी सी बात पर लड़ रहे हो, फिर भी आप एक ही टीम में हैं।' अभिनेत्री का मानना है कि एक दूसरे के साथ रहने का मतलब आम पलों में भी सुकून ढूंढना है। उन्होंने बताया, 'जैसे हम साथ में हैं, कुछ भी नहीं कर रहे हैं लेकिन फिर भी यह एहसास हो कि आप सही जगह पर हैं और हां, मैंने ये भी सीखा है कि कभी-कभी शांति बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका ये मान लेना है कि आप गलत हैं, भले ही आपके मन में बिल्कुल सही हो। कभी-कभी गहराई से सोचना न सिर्फ आपके रिश्ते को बेहतर बनाता है बल्कि आपको एक बेहतर इंसान भी बनाता है।'

अविका गौर ने यह भी बताया कि शादी के बाद प्यार को लेकर उनकी सोच कैसे बदल गई। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। शादी से पहले हम प्यार को बहुत रोमांटिक बना देते हैं, बड़े-बड़े पल, डेट्स, सरप्राइज, दिल की धड़कन बढ़ना। शादी के बाद समझ आता है कि प्यार ग्राउंडरी लिस्ट में भी है, 400वीं बार ये तय करने में भी है कि डिनर में क्या खाना है, जिम्मेदारियां बांटने में और एक-दूसरे की अजीब आदतों को सहने में भी है।'



मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब हो रहा है

अनज देवगन इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर चर्चा में हैं। अनज देवगन ने कहा- चाहे गोलमाल हो या दृश्यम हो, वहां विजय सलगांवकर या गोपाल या सिंघम चला है, लोग इन किरदारों से जुड़ते हैं, तभी आप सीक्वल बना सकते हैं। उन्होंने कहा है- मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब नजर आता है, हड़ियां अब दर्द होती हैं।

हिंदी की टारगेट ऑडियंस पता नहीं

उन्होंने कहा, 'मैं किसी दूसरे सिनेमा का क्रेडिट कम नहीं कर रहा। आप पारंपरिक सिनेमा कहें या इंटरनेशनल, हर जगह फिल्म बनाना मुश्किल काम है, पर मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म बनाना सबसे मुश्किल है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि आपको पता ही नहीं होता कि आपकी टारगेट ऑडियंस कौन है। जब आप पंजाबी, तेलुगु या तमिल फिल्म बनाते हैं, तो आपको अपना दर्शक वर्ग पता होता है, क्योंकि वह एक खास जगह के लिए

बनाई जा रही है। आपको वहां के दर्शकों की नब्ज पता होती है तो आप उसी हिसाब से फिल्म बनाते हैं। जबकि, हिंदी में हर 80-90 किमी के बाद भाषा बदल जाती है, लोग की सोच बदल जाती है। यहां मास और क्लास का फर्क है। शहरी दर्शक, छोटे शहरों के दर्शक, सबअर्बस के दर्शक, तो होता क्या है कि एक वर्ग के दर्शकों को फिल्म पसंद आती है, तो दूसरे को नहीं आती, जिससे बिजनेस उतना बड़ा नहीं हो पाता। यहां हमें हर किसी को टारगेट करना पड़ता है, इसलिए मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म लिखना और बनाना सबसे मुश्किल काम है।'

सीक्वल नहीं, किरदार चलते हैं

यहां दृश्यम के सीक्वल की सफलता पर बात करते हुए अनज देवगन ने कहा, 'मेरा मानना है कि सीक्वल नहीं किरदार चलते हैं। आप किसी भी सीक्वल को उठाकर देख लो, वो चाहे गोलमाल हो या दृश्यम हो, वहां विजय सलगांवकर या गोपाल या सिंघम चला है। जब लोग इन किरदारों से जुड़ते हैं, तभी आप सीक्वल बना सकते हैं। आप किसी फिल्म का सीक्वल सिर्फ इसलिए सीक्वल नहीं बना सकते क्योंकि वह बहुत कमाल की थी और लोगों ने उसे खूब पसंद किया। लोगों को उन किरदारों से प्यार होना चाहिए।'

किरदार से अटैच हुए तो पागल हो जाएंगे क्या इतने लंबे समय तक एक किरदार को बार-बार निभाते हुए अनज उनसे अटैचमेंट भी महसूस करते हैं? इस सवाल पर उनका कहना था, 'नहीं, मैं किरदार के साथ अटैच नहीं होता हूँ। हां, आप उस किरदार को पसंद करने लगते हैं लेकिन अगर ऐक्टर्स अपने किरदारों से अटैच होने लगेंगे तो वे पागल हो जाएंगे। तो आपको पता ही नहीं चलेगा कि आप असल जिंदगी में कौन हैं। आप अपनी असल जिंदगी में भी किरदार ही निभाने लगेंगे। तो आपको उससे डिटेच होना जरूरी है।'

उम्र का असर है, हांडूया अब दद होता है

मुझे भले ही एक्शन फिल्मों के लिए जाना जाता रहा हो। इस फिल्म में भले ही मैंने एक्शन ना किया हो लेकिन उम्र के साथ एक ठहराव और आत्मविश्वास आया है। इसलिए किरदार वही है, लेकिन उसे निभाने का तरीका थोड़ा अलग महसूस हो सकता है। पर यहां मैं कहना चाहूंगा कि बेशक चेहरे से उम्र का पता नहीं चलता लेकिन जब आप जब सुबह सोकर उठते हैं हड़ियां दर्द होती हैं तो उम्र का पता चलता है। पहले जो मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब नजर आता है।

ऑडियंस हमसे आगे निकल चुकी है

बदलते वक्त के साथ खुद को री-इन्वेस्ट करने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम खुद को री-इन्वेस्ट कर रहे हैं। असल में हम दर्शकों की सोच के साथ बस कदमताल करने की कोशिश कर रहे हैं। कोविड महामारी के बाद हमें यह समझ में आया कि उस दौरान जब दर्शक घरों में बैठे थे, उन्होंने इंटरनेशनल और हर भाषा का भारतीय सिनेमा खूब देखा। फिर जब चीजें सामान्य हुईं और हमने दोबारा फिल्में रिलीज करनी शुरू कीं तो हमें अहसास हुआ कि दर्शक हमसे काफी आगे निकल चुके हैं और अब हमें उनके साथ कदम मिलाने की जरूरत है। हम वही कोशिश कर रहे हैं और दर्शक जिस तेजी से बदल रहे हैं, उनके साथ कदम मिलाना मुश्किल है। वे लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसलिए हमें लगातार सुधार करना होगा, सीखना होगा और अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाना होगा, क्योंकि दर्शक हमसे ज्यादा समझदार हैं। हम उन्हें बेवकूफ नहीं बना सकते।'



लॉक अप: रियलिटी शो के सीजन 2 का एलान फिर जेलर बनेंगे रितेश देशमुख और फराह खान

पहले सीजन से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद अब यह शो 'लॉक अप: सच या सजा' नेटफिलिक्स पर नए सीजन के साथ लौटेगा। दूसरे सीजन का अनाउंसमेंट हो गया है, जिसके बाद फैस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। रियलिटी शो 'लॉक

अप: सच या सजा' में एक बार फिर रितेश देशमुख और फराह खान जेलर की भूमिका में नजर आएंगे। दूसरे सीजन में नए कंटेस्टेंट्स जेल के अंदर पंढी लेंगे। शो का फॉर्मेट पहले सीजन की तरह ही रहेगा। इसमें कंटेस्टेंट्स को जेल के अंदर रहना होगा, अलग-अलग टास्क करने होंगे और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े सवालों का भी सामना करना होगा। इस शो को एकता कपूर, शोभा कपूर और मनीषा शर्मा ने प्रोड्यूस किया है। पहले सीजन को दर्शकों के बीच काफी चर्चा मिली थी। नेटफिलिक्स के मुताबिक, शो को सोशल मीडिया और लोगों के बीच चर्चा के जरिए 5 अरब से ज्यादा व्यूज मिले थे। शो के कई पल सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा में रहे थे।

पहले सीजन में खूब हुआ था झामा

'लॉक अप' के पहले सीजन में कंटेस्टेंट्स ने अपनी जिंदगी से जुड़े कई राज और निजी कहानियां शेयर की थीं। शो में जमकर बहस और टकराव भी देखने को मिले थे। फिनले में पूर्व कंटेस्टेंट्स और जेलर्स से श्रेया और शिवांगी में से विजेता चुनने के लिए कहा गया था, जिसके बाद श्रेया ने जीत हासिल की।

कब आएगा 'लॉक अप 2'

'लॉक अप: सच या सजा' के दूसरे सीजन को मलाया प्रधान शो रन कर रही हैं। यह शो नेटफिलिक्स पर स्ट्रीम होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक दूसरे सीजन के कंटेस्टेंट्स के नाम और शो की प्रीमियर डेट का एलान नहीं किया है।



संक्षिप्त समाचार

नोएडा-ग्रेनोमें नवरात्र से पहले ही 9 हजार गाड़ियों की बुकिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। नवरात्र में नोएडा और ग्रेटर नोएडा के ऑटोमोबाइल बाजार में जोरदार तेजी आई है। शुभ मुहूर्त के 9 दिनों में 9,000 से अधिक नए वाहनों की डिलीवरी की तैयारी है। शुभ मुहूर्त में वाहन घर ले जाने के लिए लोगों ने पहले से बुकिंग करा रखी है। डीलरों के अनुसार, आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ सकती है। नए मॉडलों की लॉन्चिंग, त्योहारों छुट और शुभ दिनों में वाहन खरीदने की परंपरा से मांग बढ़ी है। नवरात्र 11 से 19 अक्टूबर तक हैं। इन दिनों में डिलीवरी के लिए बड़ी संख्या में वाहन बुक किए गए हैं। दोपहिया और चार पहिया वाहन डीलरों के अनुसार नवमी पर



डिलीवरी की मांग अधिक है। कर्मा हुंडई के मुख्य बिजनेस अधिकारी मोहम्मद इमरान ने बताया कि नवरात्र में कारों की बुकिंग को लेकर ग्राहकों में उत्साह है। दो शोरूम से 150 से अधिक कारों की डिलीवरी की तैयारी है। मॉडल और कीमत के आधार पर ग्राहकों का रुझान अलग-अलग है। सागर मोटर्स के जीएम सेल्स दीपक वर्मा ने बताया कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा के 5 शोरूम से 800 से अधिक वाहनों की डिलीवरी होगी। ग्राहक कम बजट वाली कारों पर टूट पड़ रहे हैं। आलम यह कि इस बार 10 लाख रुपये तक कीमत वाली कारों की बुकिंग सबसे ज्यादा है। मारुति, महिंद्रा समेत अन्य कंपनियों की 2,000 से अधिक कारों की डिलीवरी नवरात्र में होने की तैयारी है। दोपहिया वाहन डीलरों के अनुसार, एक सामान्य डीलरशिप से नवरात्र के दौरान औसतन 50 से 150 वाहनों की डिलीवरी होने की उम्मीद है। मांग को देखते हुए कई डीलरशिप पर डिलीवरी और पंजीकरण की तैयारियां बढ़ा दी गई हैं।

मजबूती फ्री नहीं मिलती, पीएम मोदी के प्रधान सचिव की चेतावनी

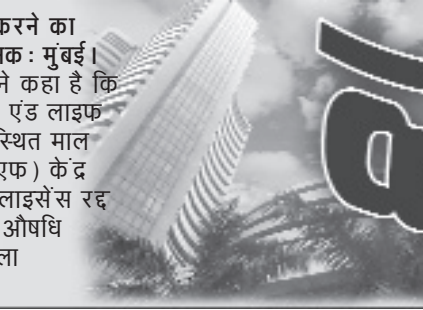
नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा का कहना है कि भारत की आर्थिक



मजबूती की कोशिश का मतलब खुद को ग्लोबल मार्केट से अलग-थलग करना नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि घरेलू उत्पादन सबसे सस्ते ग्लोबल मार्केट से सामान खरीदने की तुलना में महंगा हो सकता है। 5वें कोटिल्यू इकोनॉमिक कॉन्वलेव में पहुंचे मिश्रा ने कहा कि घरेलू क्षमता बनाने का फायदा मुश्किल या रुकावट के समय साफ दिखता है। उन्होंने कहा, 'घरेलू उत्पादन की लागत सबसे सस्ते ग्लोबल मार्केट से आयात करने से ज्यादा हो सकती है। इसका फायदा तभी पता चलता है जब कोई रुकावट आती है।' वह बोले, 'मजबूती का मतलब दुनिया से अलग-थलग रहना नहीं हो सकता। इसका मतलब यह होना चाहिए कि हम दुनिया के लिए खुले रहें। लेकिन, उस पर बहुत ज्यादा निर्भर या कमजोर न हों।' मिश्रा ने बताया कि अनिश्चितता आर्थिक व्यवहार को बदल देती है। कारण है कि बिजनेस तेजी से बदलते और अनिश्चित भविष्य को देखते हुए निवेश टालते हैं। सप्लायर बदलते हैं। ज्यादा इन्वेन्ट्री के साथ ही अतिरिक्त क्षमता बनाए रखते हैं। इसी तरह सरकारें भी रिजर्व बनाती हैं। फिस्कल बकर मजबूत करती हैं। ऐसी क्षमताओं में निवेश करती हैं जो सामान्य समय में महंगी लग सकती हैं। लेकिन, झटकों के समय बहुत काम आती हैं। इससे पता चलता है कि मजबूती हासिल करने में अतिरिक्त लागत आती है।

वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी का 7वां वार्षिक कन्वोकेशन सम्पन्न

सीहोरा। वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी का 7वां वार्षिक कन्वोकेशन शनिवार को उत्साह और गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न शाखाओं संकाय के कुल 3 हजार 571 ग्रेजुएट्स को डिग्रियां प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। उपेंद्र द्विवेदी की गैस्ट के रूप में शामिल हुए। वहीं, इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑर्थराइजेशन सेंटर (इन - स्पेस), डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस के प्रमोशन डायरेक्टर डॉ. विनोद कुमार ने गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी के चान्सलर डॉ. जी. विश्वनाथन, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. शंकर विश्वनाथन, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट मिस कार्दबरी एस. विश्वनाथन, ट्रस्टी मिस



1200 की बचत, 3 दिन में डिलीवरी...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में एयर कंडीशनर बनाने वाली बड़ी कंपनियां अब अपनी मैनुफैक्चरिंग यूनिट्स को उत्तर भारत से दक्षिण भारत की ओर ले जा रही हैं। इसके पीछे सरकार की प्रोडक्शन लिंकड इंसेंटिव योजना के साथ दक्षिण भारत में तेजी से बढ़ती की मांग भी बड़ी वजह है।

पिछले पांच वर्षों में जैसी बड़ी एसी कंपनियों ने आंध्र प्रदेश के श्री सिटी में अपनी नई फैक्ट्रियां शुरू की हैं। इसके अलावा, टाटा ग्रुप की कंपनी ने पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में अपने एसी मैनुफैक्चरिंग प्लांट स्थापित किए हैं। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक श्रीपेरंबुर में सैमसंग इंडिया के मौजूदा प्लांट के साथ मिलकर ये सभी इकाइयां 100 किलोमीटर लंबे 'श्रीपेरंबुर-चेन्नई-श्री सिटी' कॉरिडोर को देश के सबसे नए और बड़े एसी मैनुफैक्चरिंग बेल्ट में बदल रही हैं। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में तमिलनाडु की सीमा



मैनेजिंग डायरेक्टर रविंद्र सन्नारेड्डी ने यहां एसी के प्रोडक्शन को लेकर ये बातें बताईं: पिछले पांच साल में यहां करीब 10 भारतीय और विदेशी एसी कंपनियों ने निवेश किया है। इसके अलावा 34 कंपनियां के कंपोनेंट बनाने

का काम कर रही हैं। इन कंपनियों की कुल उत्पादन क्षमता अगले साल करीब 80 लाख एसी यूनिट तक पहुंचने की

उम्मीद है। वर्ष 2027 तक भारत में बनने वाले कुल एसी में से लगभग 60 प्रतिशत उत्पाद अकेले श्री सिटी से आ सकते हैं। अगर पास के तमिलनाडु में स्थित सैमसंग, मित्सुबिशी और वोल्टास के प्लांट्स को जोड़ दिया

उधर अमेरिका से बढ़ रही टेंशन

इधर भारत के साथ कनाडा ने सेट कर दिया 6.7 लाख करोड़ का टारगेट



नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका से बढ़ती दूरी के बीच कनाडा ने भारत के साथ व्यापार का तगड़ा टारगेट सेट किया है। दोनों देशों ने अगले पांच सालों में अपने आपसी व्यापार को 30 अरब डॉलर से बढ़ाकर 70 अरब डॉलर (करीब 6.7 लाख करोड़ रुपये) तक ले जाने का टारगेट रखा है। कनाडा के इंटरनेशनल ट्रेड मिनिस्टर मनिंदर सिद्धू ने बताया है कि फ्री ट्रेड को लेकर जारी बातचीत के आने वाले महीनों में पूरी होने की उम्मीद है। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब अमेरिका के साथ कनाडा की दूरी बढ़ी है। ट्रेड प्रशासन ने कनाडा से आने वाले 1 अरब डॉलर के आयात पर हाल में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। 'नेताओं ने हमारे लिए जो विजन तय किया है, वह अगले पांच सालों में व्यापार को 30 अरब डॉलर से बढ़ाकर 70 अरब डॉलर तक ले जाना है।

अभी सीक्रेट है बातचीत

व्यापार समझौते से जुड़े अहम सेक्टरों के बारे में बात करते हुए मंत्री ने कहा कि बातचीत जारी होने के कारण इसकी बारीकियां अभी गोपनीय हैं। लेकिन, सप्लाई चेन में विविधता लाने पर काफी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'बातचीत जारी है। इसलिए मीडिया के जरिए इसकी जानकारी देते समय मैं बहुत सावधानी बरतूंगा। हालांकि, मेरी बातों से आप समझ सकते हैं कि यह सहयोग के बारे में है। भारत अपनी कुछ सप्लाई चेन में विविधता लाना चाहता है। अगर हम जरूरी मिनरल की बात करें तो भारत का ऑटो सेक्टर बढ़ रहा है। बैटरी के लिए कनाडा पश्चिमी गोलार्ध का एकमात्र ऐसा देश है जिसके पास इलेक्ट्रो-पेजॉक बनाने के लिए हर जरूरी चीज मौजूद है।

लो फैट डेयरी व्हाइटनर पर संकट, एफएसएसएआई ने लगाई बिक्री पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। लक-दक फाइव स्टार होटल में आप जाते हैं। वहां कमरे में ही मिनी पेंट्री की व्यवस्था रहती है। पेंट्री में आपको मिल्क पाउडर, शुगर पाउडर, कॉफी का छोटा पैक, तरह तरह के टी बैग आदि होते हैं। अब इन होटलों में मिलने वाले मिल्क पाउडर का भी भरोसा नहीं है। क्योंकि दिल्ली के ललित होटल में कुछ ऐसा ही हुआ है। तभी तो फूड सेक्टर के रेगुलेटर ने नेस्ले के 'लो फैट डेयरी व्हाइटनर' को अनसेफ और सब-स्टैंडर्ड पाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले संगठन ने खुद यह जानकारी दी। संगठन ने बताया कि दिल्ली के मेसर्स भारत होटल्स लिमिटेड,



जो कि 'द ललित' के नाम से यहां फाइव स्टार होटल चलाता है, से नेस्ले के लो फैट डेरी व्हाइटनर का सैंपल उठाया गया से था। यह जांच में अनसेफ और सब-स्टैंडर्ड पाया गया है। इसके बाद

एफएसएस एक्ट 2006 के तहत डायरेक्टिव जारी किया है। साथ ही इस प्रोडक्ट की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। एफएसएसएआई के मुताबिक नेस्ले के 'लो फैट डेयरी

भीमएफपर तत्काल

एनपीएस की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। एनपीएस दिवस 2026 के अवसर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, बैंक ऑफ बड़ौदा को पीएफआरडीए अधिनियम, 2013 की धारा 27 के अंतर्गत पेंशन फंड के प्रायोजक के रूप में नियुक्ति का पीएफआरडीए प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ। इसके साथ ही, बैंक ऑफ बड़ौदा पेंशन फंड व्यवसाय में प्रवेश करने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का दूसरा बैंक बन गया है, यह सेवानिवृत्ति और दीर्घकालिक बचत क्षेत्र में बैंक के विस्तार का एक

महत्वपूर्ण मील का स्तंभ है। यह प्रमाण पत्र श्री संजय लोहिया, आईएसएस, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग द्वारा डॉ. देवदत्त चांद, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा को श्री एस.

रमन, अध्यक्ष, पीएफआरडीए और श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष, एनपीएस ट्रस्ट की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान, बैंक तत्काल एनपीएस के द्वितीय चरण के तहत भीम ऐप पर तत्काल एनपीएस की सुविधा उपलब्ध कराने वाले प्रारम्भिक बैंकों में शामिल हो गया है। भीम ऐप के साथ तत्काल एनपीएस का एकीकरण से व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले भीम प्लेटफॉर्म के माध्यम से सहज

डिजिटल ऑनबोर्डिंग सक्षम बनाकर नेशनल पेंशन सिस्टम की पहुंच और उपलब्धता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने में सहायक होगा।

इस अवसर पर डॉ. देवदत्त चांद, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा, आज का दिन बैंक ऑफ बड़ौदा के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का दिन है क्योंकि हम पेंशन फंड के कारोबार में प्रवेश करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र का दूसरा बैंक बन गया हैं। हमने भीम ऐप पर तत्काल एनपीएस की सुविधा भी शुरू की है। ये उपलब्धियां सेवानिवृत्ति संबंधी समाधानों तक एक्सेस बढ़ाने और डिजिटल नवाचार का लाभ उठाकर देश

भर के ग्राहकों के लिए पेंशन उत्पादों को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती हैं। हम पेंशन के एक्सेस को विस्तारित करने और सभी के लिए दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

पीएफआरडीए के तत्वावधान में आयोजित एनपीएस दिवस में नेशनल पेंशन सिस्टम की प्रगति और भावी दिशा पर विचार-विमर्श हेतु सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों, सेंट्रल रिर्कॉर्डकीपिंग एजेंसियों, एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड के प्रतिनिधियों तथा वित्तीय सेवाएं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की।

लोन लेना हो सकता है मंहगा: नई दिल्ली। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार यह उम्मीद है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अक्टूबर में रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी करेगा। मंहगाई का रिसक बना हुआ है इसलिए एफवाय27 में और बढ़ोतरी की संभावना है जिससे बेचमार्क रेट 5.75-6 प्रतिशत तक जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो लोन लेना मंहगा हो सकता है और साथ ही साथ अगर आपका मौजूदा लोन चल रहा है तो उसकी किश्त बढ़ सकती है।

उत्तर से दक्षिण की ओर शिफ्ट का कारण

भारत में एसी मैनुफैक्चरिंग की शुरुआत 1980 के दशक में गुरुग्राम में अमेरिकी कंपनी कैरियर के साथ हुई थी, जिसके बाद 2008 में जापानी दिग्गज डाइकिन ने राजस्थान के नीमराना में प्लांट लगाया था। लेकिन अब यह उद्योग तेजी से दक्षिण भारत की ओर शिफ्ट हो रहा है। इसके पीछे दो मुख्य रणनीतिक और व्यावसायिक कारण हैं। लॉजिस्टिक्स और माल ढुलाई खर्च में बड़ी बचत श्री सिटी स्थित एक एसी कंपनी के प्लांट मैनेजर ने बताया कि दक्षिण भारत के बाजारों के पास मैनुफैक्चरिंग प्लांट लगाने के बड़े आर्थिक फायदे हैं। चेन्नई या श्री सिटी में फैक्ट्री लगाने से प्रति एसी लगभग 1200 रुपये तक की लागत बच जाती है। श्री सिटी चेन्नई पोर्ट से केवल 65 किलोमीटर दूर है। एसी के 50-60 प्रतिशत पार्ट्स आयात किए जाते हैं। इसलिए पोर्ट पास होने से कच्चे माल की आवक और तैयार माल के निर्यात दोनों में आसानी होती है। उत्तर भारत से दक्षिण तक सामान भेजने में जहां 12 दिन का समय लगता था, वह अब घटकर महज 3 दिन रह गया है।

दुनिया को होगा फायदा, नितिन गडकरी ने दिया खास बैंक बनाने का आइडिया



नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए एक अंतरराष्ट्रीय आचार संहिता बनाने की जरूरत बताई है। उन्होंने कहा कि भारत को बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में इंफ्रास्ट्रक्चर की अहम भूमिका है। गडकरी ने यह बात नागपुर में आयोजित एशियन सिनेरियो ऑन इंफ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट सम्मेलन में कही। इस दौरान उन्होंने सुझाव दिया कि दुनिया के अलग-अलग देशों में विकसित हो रही नई तकनीकों, रिसर्च और विचारों को एक जगह लाने के लिए एक सर्म्पित वेबसाइट बनाई जानी चाहिए। इसे ' बैंक ऑफ आइडियाज ' के तौर पर विकसित किया जा सकता है। गडकरी ने

कहा कि इससे पूरी दुनिया के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को फायदा होगा। गडकरी ने कहा कि सड़क और दूसरी परियोजनाओं में बेकार सामग्री का इस्तेमाल बढ़ाना चाहिए। उन्होंने बताया कि ह्यूद्रु अब तक करीब 80 टन नगर निगम के कचरे का इस्तेमाल सड़क निर्माण में कर चुका है।

उन्होंने कहा कि नागपुर-जबलपुर हाईवे पर करीब एक किलोमीटर सड़क बायो-बिटुमेन से बनाई गई है। सड़क निर्माण के रबर टायर का पाउडर, प्लास्टिक और दूसरे कचरे के इस्तेमाल पर भी काम चल रहा है। हालांकि, गडकरी ने कहा कि ऐसी सामग्री का इस्तेमाल करते समय सड़क की गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए।

इस हफ्ते 8वें पेकमीशन की बड़ी मीटिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। 8वें पे कमीशन की इस हफ्ते बड़ी मीटिंग है। आयोग बेंगलुरु में कर्मचारियों और पेंशनर्स से जुड़े संगठनों से मिलने जा रहा है। यह बैठक 7 और 8 अक्टूबर 2026 को होगी। बता दें, बेंगलुरु मीटिंग में शामिल होने के लिए सभी स्टेट होल्डर्स को 18 सितंबर तक युनिक मेमो आइडी ले लेना था। जिनके बाद यह आइडी होगी वही लोग इस बैठक में हिस्सा ले पाएंगे। इस बैठक में सभी स्टेटहोल्डर्स अपनी डिमांड्स, चुनौतियों आदि से पे कमीशन को अवगत कराएंगे। जिन बातों पर सबसे अधिक चर्चा होने की उम्मीद है उसमें फिटमेंट फैक्टर, डीए, एचआरए आदि हैं। इसके अलावा पेंशन में भी सुधार की मांग आयोग के सामने आ सकती है। आयोग की अक्टूबर में ही बैठक करने जा रहा है। यह मीटिंग 22 और 23 अक्टूबर को होगी। इसमें हिस्सा लेने के लिए सभी स्टेटहोल्डर्स को 10 अक्टूबर तक युनिक मेमो आइडी ले लेना होगा। बता दें, इससे पहले पे कमीशन की मीटिंग दिल्ली, लखनऊ जैसे कई शहरों में हो चुकी है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने किया पेंशन फंड व्यवसाय का शुभारंभ

भीमएफपर तत्काल

एनपीएस की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। एनपीएस दिवस 2026 के अवसर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, बैंक ऑफ बड़ौदा को पीएफआरडीए अधिनियम, 2013 की धारा 27 के अंतर्गत पेंशन फंड के प्रायोजक के रूप में नियुक्ति का पीएफआरडीए प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ। इसके साथ ही, बैंक ऑफ बड़ौदा पेंशन फंड व्यवसाय में प्रवेश करने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का दूसरा बैंक बन गया है, यह सेवानिवृत्ति और दीर्घकालिक बचत क्षेत्र में बैंक के विस्तार का एक

महत्वपूर्ण मील का स्तंभ है। यह प्रमाण पत्र श्री संजय लोहिया, आईएसएस, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग द्वारा डॉ. देवदत्त चांद, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा को श्री एस.

रमन, अध्यक्ष, पीएफआरडीए और श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष, एनपीएस ट्रस्ट की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान, बैंक तत्काल एनपीएस के द्वितीय चरण के तहत भीम ऐप पर तत्काल एनपीएस की सुविधा उपलब्ध कराने वाले प्रारम्भिक बैंकों में शामिल हो गया है। भीम ऐप के साथ तत्काल एनपीएस का एकीकरण से व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले भीम प्लेटफॉर्म के माध्यम से सहज

डिजिटल ऑनबोर्डिंग सक्षम बनाकर नेशनल पेंशन सिस्टम की पहुंच और उपलब्धता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने में सहायक होगा।

इस अवसर पर डॉ. देवदत्त चांद, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा, आज का दिन बैंक ऑफ बड़ौदा के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का दिन है क्योंकि हम पेंशन फंड के कारोबार में प्रवेश करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र का दूसरा बैंक बन गया हैं। हमने भीम ऐप पर तत्काल एनपीएस की सुविधा भी शुरू की है। ये उपलब्धियां सेवानिवृत्ति संबंधी समाधानों तक एक्सेस बढ़ाने और डिजिटल नवाचार का लाभ उठाकर देश

संक्षिप्तसमाचार

फाइनल की हार से उबरने में समय लगा, अब ओलंपिक में जगह बनाने पर नज़रें: अनाहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली अनाहत सिंह फाइनल की हार से उबरकर अब 2028 लॉस एंजलिस ओलंपिक में जगह बनाने पर ध्यान दे रही हैं। सीधे क्वालीफिकेशन का मौका गंवाने के बाद 18 वर्षीय खिलाड़ी अगले 18 महीनों में अधिक टूर्नामेंट खेलकर पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़ना चाहती हैं। अनाहत सिंह जानती थीं कि



एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना ‘बहुत यथार्थवादी’ लक्ष्य नहीं था लेकिन खिताब से सिर्फ एक जीत दूर रह जाना इस भारतीय स्ववाश खिलाड़ी के लिए निराशा के साथ-साथ प्रेरणा का भी कारण बना और अब उनकी नज़रें 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर है। अनाहत एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्ववाश स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। हालांकि उन्हें दुनिया की पांचवें नंबर की मलेशियाई खिलाड़ी सिवसांगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अगर अनाहत फाइनल जीत जातीं तो उन्हें 2028 ओलंपिक में सीधे जगह मिल जाती लेकिन यह 18 वर्षीय खिलाड़ी अब पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़कर लॉस एंजलिस ओलंपिक में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगी।

गोल्ड जीतने वाली प्रणवी को आईजीयू देगा 10 लाख, सदस्यों को मिलेंगे तीन-तीन लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय गोल्फ संघ ने एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला प्रणवी उर्स के लिए 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। वहीं रजत पदक

जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम की अर्दिति अशोक और दीक्षा डगार को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे। भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) ने एशियाई खेलों में भारत की पहली महिला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स के लिए रविवार को 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। प्रणवी एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय गोल्फर हैं। उनसे पहले लक्ष्मण सिंह ने 1982 के दिल्ली एशियाई खेलों और शिव कपूर ने 2002 के बुसान एशियाई खेलों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

कतर को सौंपी गई मेजबानी, भारत ने चौथे स्थान पर रहकर समाप्त किया अभियान

आइची नागोया, एजेंसी। आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो चुका है। नागोया में हो रहे इस समारोह के साथ 16 दिन तक चले एशियाई खेलों का आधिकारिक रूप से समापन हो गया। भारतीय दल की महिला ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू ढांडा तिरंगा लेकर समारोह में पहुंचीं। नीरू हाथ में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ उसे लहराती दिखाईं। उनके चेहरे पर खुशी साफ नजर आई।

नीरू के लिए यह एशियाड बेहद यादगार रहा। उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। नीरू ने अपने तीसरे पदक के रूप में किनान चेनाई के साथ ट्रेप मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद वह भारत लौट गई थीं, लेकिन शनिवार सुबह समापन समारोह के लिए दोबारा नागोया पहुंचीं।

ध्वजवाहकों के बाद खिलाड़ी स्टेडियम में पहुंचे

ध्वजवाहक के बाद एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचे। इन सभी सितारों ने दो हफ्तों तक शानदार प्रदर्शन किया और अब वे अपनी उपलब्धियों पर गर्व के साथ नागोया से विदा लेते दिखे। भारतीय दल भी एशियाई खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचा और अब मुख्य मंच पर ध्वजवाहक नीरू ढांडा के साथ शामिल हुआ। भारतीय दल भी अपने प्रदर्शन से काफी खुश दिखा। शुरुआत में ज्यादा एथलीट नजर नहीं आ रहे थे और ज्यादातर स्पोर्ट्सटाफ ही दिखाई दे रहा था। फिर धीरे-धीरे भारतीय एथलीट भी नजर आने लगे। कई एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी से पहले स्वदेश लौट चुके। भारतीय महिला हॉकी टीम भी रविवार को भारत लौट आई थी। भारत ने शनिवार को पुरुष हॉकी फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 85 हो गई,

स्वर्ण:	रजत:	कांस्य:
21	27	37

जिसमें 21 स्वर्ण शामिल रहे। भारत ने 27 रजत और 37 कांस्य पदक भी जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय दल पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा और लगातार एक और एशियाई खेलों में शीर्ष पांच में जगह बनाई। हालांकि, भारत का यह प्रदर्शन 2022 के हांगझो एशियाई खेलों से पीछे रहा था। हांगझो में भारत ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 स्वर्ण शामिल थे। यानी इस बार भारत के खाते में कुल पदक 21 कम और स्वर्ण सात कम रहे।

दोहा को सौंपी गई मेजबानी की कमान

आइची-नागोया एशियाई खेलों के समापन समारोह के दौरान अगले एशियाई खेलों के मेजबान को भी आधिकारिक तौर पर कमान सौंपी गई। समापन समारोह के आखिर में कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थान को झंडा और मशाल

सौंपी गई। इसके साथ ही कतर का राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। एशियाई खेलों का अगला संस्करण 2030 में दोहा, कतर में आयोजित होगा। समारोह में आइची-नागोया से दोहा को एशियाई खेलों की मेजबानी की जिम्मेदारी औपचारिक रूप से सौंपी गई। नागोया में अंतिम जश्न के साथ 16 दिनों तक चले खेलों का समापन हो गया और अब नज़रें एशियाई खेल 2030 पर टिकी होंगी।

दो दिनों में बदली भारत की तस्वीर

भारत का अभियान उतार-चढ़ाव से भरा रहा। गुरुवार तक भारत के खाते में सिर्फ 10 स्वर्ण पदक थे और टीम पदक तालिका में शीर्ष 10 से भी बाहर थी। लेकिन आखिरी दो दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी की। हॉकी और क्रिकेट में स्वर्ण पदक आए, जबकि तीरंदाजी, मुक्केबाजी और कुश्ती ने भी पदकों की संख्या बढ़ाई। अंतिम दो दिनों में भारत ने 11 और स्वर्ण पदक जीते। इस जोरदार वापसी ने भारत को फिर शीर्ष पांच में पहुंचाया और अभियान का अंत चौथे स्थान के साथ हुआ।

भारत के किस खेल में कौन से पदक

खेल	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
तीरंदाजी	5	2	2	9
एथलेटिक्स	1	9	14	24
बैडमिंटन	0	0	1	1
बोक्सिंग	3	0	3	6
क्रिकेट	2	0	0	2
गोल्फ	1	1	0	2
हॉकी	2	0	0	2
कबड्डी	2	0	0	2
कूराश	0	0	1	1
मार्शल आर्ट्स	0	0	1	1
रोइंग	0	0	1	1
सैलिंग	0	1	2	3
सेपकटकरा	0	0	1	1
शूटिंग	3	8	4	15
सॉफ्ट टेनिस	0	0	1	1
स्वैश	0	2	3	5
टेबल टेनिस	0	0	1	1
वेटलिफ्टिंग	0	1	0	1
कुश्ती	2	2	2	6
वुशू	0	1	0	1

भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा रन चेज: शाई होप ने मचाई तबाही

न्यू चंडीगढ़। शाई होप की कप्तानी पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने तीसरे और आखिरी वनडे में भारत को पांच विकेट से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 351 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था, लेकिन वेस्टइंडीज ने कप्तान होप की नाबाद 162 रन की तूफानी पारी के दम पर 48.2 ओवर में पांच विकेट खोकर 352 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। यह वनडे में वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा सफल रन चेज है। हालांकि, शुरुआती दोनों मुकामबले जीतने के कारण भारत ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की। भारत के लिए केएल राहुल ने नाबाद 129 रन की शानदार पारी खेली, जबकि रोहित शर्मा 92 रन बनाकर आउट हुए। ऋतुराज गायकवाड़ ने भी 57 रन बनाए। इन पारियों की बदौलत भारत ने 350 रन का आंकड़ा पार किया, लेकिन शाई होप के सामने भारतीय गेंदबाज पूरी तरह बेबस नजर आए। होप ने 143 गेंदों पर 162 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और तीन छक्के शामिल रहे।

न्यू चंडीगढ़। भारतीय टीम के अनुमवी बल्लेबाज केएल राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में दमदार बल्लेबाजी की। राहुल को इस सीरीज में पहली बार बल्लेबाजी का मौका मिला और उन्होंने जमकर गेंदबाजों की धुनाई की। राहुल ने नाबाद शतक लगाया जिससे भारत बड़ा लक्ष्य देने में सफल रहा। इसके साथ ही राहुल ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली है।



विश्वकप के लिए अब नहीं होगा प्रयोग: गिल

चंडीगढ़। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भारत ने 2-1 से अपने नाम की, लेकिन कप्तान शुभमन गिल के लिए यह सीरीज सिर्फ जीत तक सीमित नहीं रही। टीम को लगातार चोटों और व्यस्त कार्यक्रम के कारण अपनी पूरी ताकत वाली प्लेइंग-11 उतारने का मौका नहीं मिला। एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के कारण जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसे नियमित खिलाड़ी टीम के साथ नहीं थे। इसका असर भारतीय गेंदबाजी पर भी दिखा। दूसरे वनडे के दौरान तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी चोटिल होकर इस सूची में शामिल हो गए। गिल का मानना है कि 2027 वनडे विश्व कप को देखते हुए अब प्रयोग करने के लिए ज्यादा समय नहीं बचा है। उन्होंने कहा, ‘ईमानदारी से कहूँ तो प्रयोग करने के लिए ज्यादा समय नहीं है। उम्मीद है कि हम जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं वे सभी खिलाड़ी अगली श्रृंखला से टीम में होंगे और हम विश्व कप में जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं उसी के साथ खेलना शुरू करना चाहते हैं।’ भारत के सामने 2027 विश्व कप से पहले सीमित संख्या में ही वनडे मुकामबले हैं। ऐसे में गिल चाहते हैं कि जिन खिलाड़ियों के विश्व कप टीम में होने की संभावना है,

उन्हें लगातार साथ खेलने का मौका मिले। कप्तान ने माना कि मुख्य गेंदबाजों की गैरमौजूदगी टीम के लिए दुर्भाग्यपूर्ण रही। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि इससे नए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने का मौका मिला। गिल ने कहा, ‘चोटों और अन्य मुकामबलों के आसपास व्यस्त कार्यक्रम के कारण यह थोड़ा दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि हम उस गेंदबाजी क्रम के साथ नहीं खेल पाए जिसके साथ हम खेलना चाहते थे।’

विकेट नहीं मिलने से बढ़ी परेशानी

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीनों वनडे में भारतीय गेंदबाज शुरुआती पावरप्ले के दौरान नियमित रूप से विकेट हासिल नहीं कर सके। तीसरे वनडे में भी इसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने नाबाद 162 रन की शानदार पारी खेली और 352 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी। भारतीय टीम के लिए यह हार इसलिए भी निराशाजनक रही क्योंकि बल्लेबाजों ने बड़ा स्कोर खड़ा किया था। लेकिन गेंदबाजी में शुरुआती सफलता नहीं मिलने से वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को लक्ष्य का पीछा करने का भरोसा मिला।

राहुल ने धोनी की बराबरी की, युवराज का रिकॉर्ड तोड़ा

न्यू चंडीगढ़। भारतीय टीम के अनुमवी बल्लेबाज केएल राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में दमदार बल्लेबाजी की। राहुल को इस सीरीज में पहली बार बल्लेबाजी का मौका मिला और उन्होंने जमकर गेंदबाजों की धुनाई की। राहुल ने नाबाद शतक लगाया जिससे भारत बड़ा लक्ष्य देने में सफल रहा। इसके साथ ही राहुल ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली है।

जबकि रोहित शर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ ने भी अर्धशतकीय पारी खेली। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और टीम ने शुभमन गिल और विराट कोहली के विकेट जल्द गंवा दिए थे। राहुल ने संभाला मोर्चा

शुरुआती झटकों के बाद रोहित शर्मा और ऋतुराज ने पारी को संभाला। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। रोहित हालांकि, शतक पूरा नहीं कर सके और 92 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, ऋतुराज ने 57 रनों की पारी खेली। इसके बाद केएल राहुल ने मोर्चा संभाला ने शानदार शतक जड़ा। इस सीरीज में राहुल को पहली बार बल्लेबाजी का मौका मिला था और उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। राहुल 87 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 129 रन बनाए। वहीं, नमन धीर ने 30, अंशुल कंबोज ने 17 और नीतीश रेड्डी ने 9 रन बनाए। गुरनूर बरार 8 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज की ओर से जेडन

पांचवें स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए लगाया चौथा शतक

केएल राहुल ने भारत के लिए पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए वनडे शतकों की खास सूची में धोनी की बराबरी कर ली है। राहुल अब धोनी के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आ गए हैं, जिनके नाम इस नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए चार शतक हैं। मुल्लानपुर में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे मुकामबले में राहुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 87 गेंदों पर नाबाद 129 रनों की तूफानी पारी खेली। भारत के लिए पांचवें नंबर के बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है, जिन्होंने 99 मैचों में सात शतक जड़े हैं।



संक्षिप्त

समाचार

यूपीसियासत: अखिलेश ने लगाया नारा 'जय संविधान-जयहिंदुस्तान'



लखनऊ , एजेंसी। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मैदान में उतर चुके हैं। उन्होंने गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर बड़ा संदेश दिया है। कहा कि गठबंधन में कितनी सीटें मिलती हैं या कौन सी सीट किस दल के पास जाती है, यह महत्वपूर्ण नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि गठबंधन की जीत सुनिश्चित हो। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके कहा कि मकसद जब साफ हो तो हाथ-में-हाथ होता है, निगाह मंजिल पर हो तो सफर आसान होता है। गठबंधन के सभी दलों को मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि जीत गठबंधन की हो। उन्होंने दोहराया, 'बात सीट की नहीं जीत की है।' कहा कि यह जीत गठबंधन के दलों से बढ़कर उन सभी की संयुक्त कोशिश की जीत होगी, जो लगातार संघर्षरत हैं। अखिलेश ने अपने संदेश में सांप्रदायिकता, लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण का भी जिक्र किया। कहा कि कोशिश यह सुनिश्चित करने की है कि सांप्रदायिकता फिर कभी सिर न उठा सके और लोकतंत्र, संविधान व आरक्षण पर भाजपाई आंच न आए। उन्होंने देश में सौहार्द कायम करने और तरक्की-खुशहाली को आगे बढ़ाने की बात भी कही। पोस्ट के अंत में अखिलेश यादव ने लिखा, 'जय संविधान-जय हिंदुस्तान'।

सैनिक का पार्थिव शरीर ले जा रही एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त, चार लोगों की मौत

सुल्तानपुर, एजेंसी। यूपी के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रविवार को सुबह सैनिक का पार्थिव शरीर ले जा रही एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। हादसा हलियापुर थाना क्षेत्र के जरई कला के पास सुबह करीब 8:30 बजे हुआ। यहां एंबुलेंस हादसे का शिकार हो गई। यह लखनऊ से सुबेदार सत्यावान सिंह का पार्थिव शरीर लेकर गाजीपुर जा रही थी। हादसे में देवरिया के गड़ला, दुधिला निवासी साजन सिंह (35), गौरव सिंह (28), राम समुझ सिंह (40) और चालक जसपाल (30) की मौत हो गई। लोगों ने देखा तो मौके पर भीड़ जुट गई। भयावर हादसे की खबर फैली तो आसपास के लोग भी पहुंच गए। सूचना मिली तो यूपीडा कर्मी भी भागकर पहुंचे। यूपीडी कर्मियों के मुताबिक, दो शव पीठला अस्पताल भेजे गए हैं। चालक का शव एंबुलेंस में बुरी तरह फंस गया। उसे निकालने का प्रयास किया जा रहा है। सूचना मिली तो एसआई शैलेंद्र सिंह भी पुलिस टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने लोगों को एक तरफ करके घटना की जानकारी ली। यातायात बाधित न हो इसका भी ध्यान रखा। एसआई शैलेंद्र सिंह ने बताया कि रुद्रपुर के गड़ला, दुधिला निवासी सत्यावान सिंह सुबेदार थे। उनका निधन हो गया था। उनका शव चंडीगढ़ से लखनऊ के रास्ते देवरिया ले जाया जा रहा था। घर ले जाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि जरई कला के पास दुर्घटना हो गई। जवान के पार्थिव शरीर पर तिरंगा लिपटा है। इसलिए, उन्हें हलियापुर थाने में लाकर रखा गया है। जबकि, अन्य दो शव पीठला कुमारागंज के अस्पताल भेजे गए हैं। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मेघालय में बीमार बेटे को बचाने मां 3 घंटे पैदल चली: गोद में ही दम तोड़ा मासूम ने

शिलॉन्ग, एजेंसी। पहाड़ी इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं की बढ़हाली किस कदर मरीजों पर भारी पड़ रही है, इसका उदाहरण इस बार मेघालय से सामने आया है। राज्य के पश्चिम खासी हिल्स जिले के डोमवयरकोह गांव में अपने बीमार बेटे को बचाने के लिए मां करीब तीन घंटे तक उसे गोद में लेकर पैदल चलती रही, लेकिन वह बच्चे को बचा नहीं सकी। अस्पताल पहुंचने से पहले ही बच्चा जिंदगी की जंग हार गया और मां की गोद में दम तोड़ दिया।

एसआईआर पर भड़के ओवैसी, कहा- मुसलमानों के खिलाफ फर्जी फॉर्म-7 का खेल बंद हो

नहीं रुका तो सड़कों पर उतरेंगे

हैदराबाद , एजेंसी। एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के दौरान फर्जी फॉर्म-7 आवेदन दाखिल किए जाने के आरोप में हैदराबाद में विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी।

शनिवार को मिलाद मैदान में 57वें 'जलसा-ए-मिलाद-उन-नबी' को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा 'अगर फर्जी फॉर्म 7 भरे जा रहे हैं, तो हम चुनाव आयोग से अपील करते हैं कि दौषियों के खिलाफ कार्रवाई करे। अगर यह नाटक बंद नहीं हुआ, तो याद रखिए हैदराबाद की सड़कों और गलियों में दिल्ली के जंतर-मंतर से भी बड़े विरोध प्रदर्शन होंगे, और इससे आपको बहुत परेशानी होगी। मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन चुप नहीं बैठेगी।'

फॉर्म-7 का इस्तेमाल वोटर लिस्ट में किसी का नाम शामिल करने पर आपत्ति जताने या तय आधारों पर किसी एंट्री को हटाने की मांग करने के



लिए किया जाता है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि भाजपा और संघ परिवार मुस्लिम वोटरों को फाइनल वोटर लिस्ट से हटाने के लिए फॉर्म-7 का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसे प्रिटेड

किसानों के लिए दुल्हन ढूंढने की योजना बनाएं: शिवकुमार से किसान की अनोखी अपील

मैसूर , एजेंसी। एक किसान ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से एक योजना बनाने की अपील की। इस योजना के जरिये अविवाहित पुरुषों, खासकर किसानों को शादी के लिए दुल्हन ढूंढने में मदद की जाए। किसान ने कहा कि 35 से 40 साल की उम्र के कई पुरुष अब भी अविवाहित हैं। वे काफी निराशा का सामना कर रहे हैं। यह किसान यहां पिरियापटना में आयोजित प्रजा सेवा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवकुमार से बात कर रहा था। किसान ने कहा, बहुत से पुरुष 35 से 40 साल की उम्र के हैं और अब भी अविवाहित हैं। ये बेचारे आत्महत्या कर रहे हैं। वे जिंदगी से निराश हो गए हैं। उन्हें शादी के लिए महिलाएं चाहिए। किसान ने मुख्यमंत्री से यह अपील करने से पहले कहा, सर, कृपया। गरीब लोग आत्महत्या कर रहे हैं। कृपया, कुछ करना होगा। इस पर शिवकुमार ने पूछा- क्या? क्या हुआ है? किसान ने कहा कि यह पूरे कर्नाटक में बड़ी समस्या बन गई है। उसने मुख्यमंत्री से इसे दूर करने के लिए कोई योजना बनाने की अपील की। किसान ने कहा, उन्होंने इतना

पैसा खर्च किया है। उन्होंने घर बनाए हैं और उनके पास जमीन भी है। लेकिन कोई भी अपनी बेटियों की शादी उनसे अपील की। इस योजना के जरिये अविवाहित पुरुषों, खासकर किसानों को शादी के लिए दुल्हन ढूंढने में मदद की जाए। किसान ने कहा कि 35 से 40 साल की उम्र के कई पुरुष अब भी अविवाहित हैं। वे काफी निराशा का सामना कर रहे हैं। यह किसान यहां पिरियापटना में आयोजित प्रजा सेवा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवकुमार से बात कर रहा था। किसान ने कहा, बहुत से पुरुष 35 से 40 साल की उम्र के हैं और अब भी अविवाहित हैं। ये बेचारे आत्महत्या कर रहे हैं। वे जिंदगी से निराश हो गए हैं। उन्हें शादी के लिए महिलाएं चाहिए। किसान ने मुख्यमंत्री से यह अपील करने से पहले कहा, सर, कृपया। गरीब लोग आत्महत्या कर रहे हैं। कृपया, कुछ करना होगा। इस पर शिवकुमार ने पूछा- क्या? क्या हुआ है? किसान ने कहा कि यह पूरे कर्नाटक में बड़ी समस्या बन गई है। उसने मुख्यमंत्री से इसे दूर करने के लिए कोई योजना बनाने की अपील की। किसान ने कहा, उन्होंने इतना

किसानों के परिवार में बेटियां देने से क्यों हिचकते हैं?

किसान ने यह भी कहा कि माता-पिता अपनी बेटियों की शादी किसानों के परिवार में करने से हिचकते हैं। उसने पूछा, जो किसान फसल उगाते हैं और सभी के लिए खाना उपलब्ध कराते हैं, अगर उन्हीं किसानों के लिए बेटियां नहीं दी जातीं, तो क्या किया जा सकता है? उसने कहा कि यह केवल उसकी निजी समस्या नहीं है। उसके मुताबिक, पूरे राज्य के लोग इस समस्या का सामना कर रहे हैं। किसान की बात सुनने के बाद मुख्यमंत्री शिवकुमार हंस पड़े।

ईरान पर बौखलाया अमेरिका: ट्रंप बोले- आसान या मुश्किल एक रास्ता चुनना ही होगा, देश से निकाले दो राजनयिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब उस मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है, जहां अगला कदम पूरे पश्चिम एशिया की तस्वीर बदल सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर खुलकर चेतावनी दी है कि अब फैसला उन्हें करना है और रास्ता 'आसान' भी हो सकता है और 'मुश्किल' भी। इसी बीच अमेरिका ने न्यूयॉर्क में मौजूद ईरान के दो राजनयिकों को देश से बाहर कर दिया है। दोनों को अमेरिका छोड़ने का आदेश दिया गया था, लेकिन वे आदेश के बावजूद न्यूयॉर्क में रुके हुए थे। इन दोनों घटनाओं ने संकेत दे दिया है कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच टकराव अब सिर्फ बयानबाजी तक सीमित नहीं रह गया है।

'अब ईरान पर फैसला होगा'

व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि ईरान को लेकर वह जल्द फैसला लेने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'ईरान को तबाह कर दिया गया है। अब सिर्फ सवाल यह है कि यह आसान रास्ते से होगा या मुश्किल रास्ते से।' ट्रंप ने हालांकि यह नहीं बताया कि उनके दिमाग में कौन-सा विकल्प है। उन्होंने अपने अगले कदम को लेकर पूरी तरह से रहस्य बनाए रखा है। यही वजह है कि उनके इस बयान को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं कि अमेरिका ईरान के खिलाफ अब क्या करने वाला है।

ईरान को लेकर ट्रंप पिछले कुछ दिनों से लगातार ऐसे बयान दे रहे हैं, जिनसे तनाव और बढ़ता दिखाई दे रहा है। शुक्रवार को जब



पत्रकारों ने उनसे उनकी अगली रणनीति के बारे में पूछा था, तो उन्होंने साफ कहा कि अगर वह अपनी योजना बता दें तो यह 'बड़ी खबर' बन जाएगी। इसके बाद ट्रंप ने सिर्फ इतना कहा कि चीजें अच्छी तरह आगे बढ़ रही हैं और ईरान की स्थिति अच्छी नहीं है। यानी अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी रणनीति के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं दी, लेकिन इतना जरूर साफ कर दिया कि ईरान पर दबाव बनाए रखने की नीति जारी है। ट्रंप इससे पहले ईरान की सैन्य और आर्थिक स्थिति को लेकर भी कई बड़े दावे

कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के पास पैसा नहीं है, उसकी मुद्रा की हालत खराब है और वहां महंगाई 301 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने ईरान की सैन्य क्षमता पर भी बड़ा दावा करते हुए कहा कि उसकी नौसेना और वायुसेना को भारी नुकसान पहुंचा है और उसकी सैन्य ताकत बुरी तरह कमजोर हो चुकी है। ट्रंप के मुताबिक, ईरान के पास अब ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं और संघर्ष 'एक या दूसरे तरीके से' बहुत जल्द खत्म हो जाएगा।

ईरान संकट का एक बड़ा असर वैश्विक तेल बाजार पर पड़ सकता है। ट्रंप ने दावा किया है कि जैसे ही संघर्ष खत्म होगा, तेल की कीमतें 'चंद्रमा की तरह' नीचे गिरेंगी। यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि होरमुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में शामिल है। यहां किसी भी बड़े सैन्य टकराव का असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की सप्लाई और कीमतों पर पड़ सकता है।

ट्रंप के सख्त बयानों के बीच अमेरिका ने ईरान के खिलाफ एक और कार्रवाई कर दी है। एक्सियस को रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए 'न्यूयॉर्क' आए ईरानी प्रतिनिधिमंडल को दो सदस्यों को अमेरिका से बाहर कर दिया गया। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, दोनों को कई दिन पहले ही देश छोड़ने के लिए कहा गया था। लेकिन आदेश के बाद भी वे न्यूयॉर्क में मौजूद रहे।

पीएम मोदी के साथ भारतीय पायलट आमंत्रित

मर जाऊंगा। अपनी पूरी ताकत लगाकर उन्होंने आखिरकार कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया, जिसके बाद बाहर खड़े यात्री और क्रू मेंबर्स अंदर कूदे और हमलावर को काबू में कर लिया।

रख ट्रूटने के बाद हुई इमरजेंसी लैंडिंग हेरान करने वाली क्यो: गौरतलब है कि सऊदी अरब में विमान की आपातकालीन लैंडिंग के बाद विमानन विशेषज्ञों ने हैरानी भी प्रकट की। दरअसल, विमान की तेज गति के कारण उड़ान के नियंत्रण में काम आने वाले यंत्र रडार का एक हिस्सा टूट चुका था। ऐसे हालात में विमान के क्रेश होने का खतरा होता है। विमान कंपनी- फ्लाईडुबई की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक विमान में यात्रा कर रहे चालक दल के सदस्यों ने विमान को स्थिर करने के बाद सुरक्षित लैंडिंग में मदद की। सुरक्षा कारणों से उनकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है।

पांच एसीपी के तबादले

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेंट में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने 5 डीएसपी रैंक के अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। यह आदेश 3 अक्टूबर की देर रात जारी किया गया। जारी आदेश के अनुसार, लखनऊ में तैनात 5 सहायक पुलिस आयुक्तों (एसीपी) को नई तैनाती दी गई है। लक्ष्मण वर्मा को एसीपी कृष्णनगर की जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले वे एसीपी लखनऊ के पद पर तैनात थे। उनके स्थानांतरण के बाद कृष्णा नगर सर्किल में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने की कवायद तेज होने की उम्मीद है। अभिषेक कुमार पाण्डेय को एसीपी कृष्णनगर से हटाकर एसीपी कानून-व्यवस्था बनाया गया है। कैसरबाग पुराने लखनऊ का बेहद संवेदनशील और भीड़भाड़ वाला क्षेत्र है, जहां यातायात और सुरक्षा व्यवस्था बड़ी चुनौती होती है। नवरत्न गौतम जो अब तक एसीपी कैसरबाग के पद पर थे, उन्हें अब एसीपी यातायात नियुक्त किया गया है। लखनऊ में त्योहारी सीजन के चलते यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है, ऐसे में उनका अनुभव महत्वपूर्ण माना जा रहा है। महेश त्यागी को एसीपी यातायात से हटाकर एसीपी कानून-व्यवस्था लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। कानून-व्यवस्था की यह पोस्ट कमिश्नरेंट की सबसे महत्वपूर्ण पोस्ट में से एक मानी जाती है। वहीं, अनूप कुमार को एसीपी यातायात के साथ-साथ यूपी-112 का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। इससे पहले वे केवल यूपी-112 के एसीपी थे। अब उन्हें दोहरी जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस कमिश्नरेंट सूत्रों के अनुसार यह फेरबदल रूटीन प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत किया गया है ताकि फील्ड में नए अधिकारियों को अनुभव मिल सके और कामकाज में तेजी आए।

नए प्रधान और नए प्रभारी: भाजपा-कांग्रेस ने बदले प्रदेश अध्यक्ष और इंचार्ज, अब चुनावी रण में परीक्षा की बारी

चंडीगढ़ , एजेंसी। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने अपने-अपने प्रदेश प्रभारियों और प्रधानों को बदल दिया है। हाल ही में भाजपा ने डॉ. सतीश पुनिया को नया प्रभारी और केवल सिंह दिल्ली को नया प्रधान बनाया है। इसी तरह कांग्रेस ने भी बदलाव करते हुए सचिन पायलट को प्रभारी और ओलंपियन परगट सिंह को नया सूबा प्रधान बनाया है।

दोनों दलों की दोनों जोड़ियों के समक्ष अब 2027 के चुनावी रण में दम दिखाने की बड़ी चुनौती होगी। पंजाब में भाजपा इस बार बार-बार अकेले दम पर चुनाव लड़ने का एलान कर रही है। हालांकि, इस बीच शिरोमणि अकाली दल के साथ पार्टी के गठबंधन की अटकलें भी लगातार जारी हैं। फिलहाल इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है लेकिन सियासी जमीनी हकीकत को भांपते हुए भाजपा आगे बढ़ रही है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा को पंजाब में किसी से गठबंधन की जरूरत है या नहीं, इस पर अंतिम फैसला भाजपा के नए प्रभारी और प्रधान की समीक्षा के बाद ही होगा।

ऐसे में यह भी प्रधान और प्रभारी के लिए बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि यह फैसला पंजाब में भाजपा की चुनावी रणनीति का बड़ा आधार बनेगा। 2027 के विधानसभा चुनाव में पंजाब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष केवल

सिंह दिल्ली और प्रभारी डॉ. सतीश पुनिया की भूमिका संगठन और चुनावी रणनीति के दो अहम हिस्सों के रूप में होगी।

दिल्लों के सामने प्रदेश संगठन को



चुनावी मोड़ में लाने, जिला और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने, पुराने-नए नेताओं के बीच तालमेल बनाने और सभी 117 सीटों पर मजबूत स्थानीय नेतृत्व तैयार करने की जिम्मेदारी है।

पिछले दिनों हुई बैठकों में जिला स्तर के पदाधिकारियों की चुनावी जिम्मेदारियां तय की गई हैं। वहीं, पुनिया केन्द्रीय नेतृत्व के प्रतिनिधि के तौर पर रणनीति, संगठन की समीक्षा, बूथ प्रबंधन और चुनावी रोडमैप पर नजर रखेंगे। उन्होंने 117 सीटों पर पार्टी के अपने दम पर चुनाव लड़ने की बात कही है।

पायलट-परगट की चुनौतियां भी कम नहीं

पंजाब कांग्रेस के नए प्रभारी सचिन पायलट और प्रदेशाध्यक्ष परगट सिंह के

सामने सबसे पहली चुनौती पार्टी के भीतर लंबे समय से चल रही खींचतान को खत्म कर वरिष्ठ नेताओं को एक मंच पर लाने की होगी। पायलट के समक्ष चुनाव से पहले



मुख्यमंत्री पद के दावेदारों के बीच संतुलन बनाना भी कम चुनौती नहीं है। हालांकि, पायलट संकेत दे चुके हैं कि पहले सामूहिक रूप से चुनाव जीतना प्राथमिकता होगी और नेतृत्व का फैसला बाद में किया जाएगा।

दूसरी ओर, नए प्रधान परगट के सामने संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने, नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बनाने तथा टिकट वितरण में संतुलन की चुनौती होगी। पार्टी को मालवा, माझा और दोआबा, तीनों क्षेत्रों में मजबूत तालमेल बनाना होगा। इसके साथ ही वर्ष 2022 में 18 सीटों पर सिमटी कांग्रेस के लिए संगठनात्मक एकजुटता को सीटों में बदलना दोनों नेताओं की सबसे अहम चुनावी परीक्षा होगी।

एलन मस्क और शिवाॉन जिलिस के हैं चार बच्चे... जिलिस बोलीं- न कोई वार्निंग और न ही शिकायत, सीधे अलग

वाशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क का उनकी भारतीय मूल की गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप हो गया है। न्यूयॉर्क की एग्जीक्यूटिव शिवाॉन जिलिस ने मस्क के साथ ब्रेकअप होने की पुष्टि की है। दोनों के 4 बच्चे हैं। जिलिस ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर बताया कि मस्क ने एक हफ्ते पहले ही आई लव यू कहा था लेकिन फिर अचानक ब्रेकअप कर लिया। उन्होंने बताया कि उन्हें इसकी पहले से न कोई वॉनिंग मिली थी न ही शिकायत। जिलिस ने कहा- मैं इस ब्रेकअप से दुखी हूँ, लेकिन मस्क की अब भी बहुत परवाह करती हूँ। मैं चाहूंगी कि वे हमेशा खुश रहें। मुझे उम्मीद है कि हम दोनों आगे भी अच्छे दोस्त रहेंगे और अपने बच्चों की साथ में परवरिश करेंगे। जिलिस ने मस्क के साथ हुई चैट का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया। इसमें चीन के राष्ट्रपति शी

जिन्पिंग का भी जिक्र है। मस्क ने लिखा- मुझे पता नहीं था कि शी जिन्पिंग से जुड़े इस डिनर में पार्टनर्स को भी बुलाया गया है। मुझे पता होता तो मैं तुम्हें जरूर बुलाता। शिवाॉन जिलिस और मस्क के 4 बच्चे हैं। मस्क ने दो शालिदां की थीं, उनके कुल मिलाकर 14 बच्चे हैं। 1990 के दशक में कनाडा की क्वीन्स यूनिवर्सिटी में फिजिक्स की पढ़ाई के दौरान मस्क की मुलाकात इंग्लिश लिटरेचर की स्टूडेंट जस्टिन विल्सन से हुई। दोनों ने कई साल डेटिंग के बाद जनवरी 2000 में शादी की। 2002 में उनके पहले बेटे नेवाडा का जन्म हुआ। हालांकि, 10 हफ्ते की उम्र में इफेंट डेथ सिंड्रोम से उसकी मौत हो गई। इसके बाद 2004 में कपल ने आईवीए के जरिए जुड़वां बच्चों विविमन और ग्रिफिन का स्वागत किया। 2006 में तीन बच्चे काई, सैक्सन और डेमियन भी आईवीएश से हुए। 2008 में मस्क और जस्टिन विल्सन का तलाक हो गया। 15 फरवरी 2025 को अमेरिकी सोशल मीडिया इम्प्लूएंसर और राइटर एश्ले सेंट क्लेयर ने दावा किया था कि वे टेस्ला कंपनी के मालिक इलॉन मस्क के बेटे की मां हैं।

स्वस्थ होकर अतिथि के तौर पर आए, इसाइल आभारी: नेतन्याहू

बातचीत के दौरान पीएम नेतन्याहू ने कैप्टन रिस्त से कहा, 'आपका साहस और प्रातिक्ल परिस्थितियों में भी शांत रहने की क्षमता अद्भुत है। आपने कई जिंदगियां बचाईं... आपने दुनिया में मानवता की भावना को बचाया। नेतन्याहू ने कैप्टन मच्छार से कहा, आप भारत और इसाइल के लोगों के सच्चे हीरो हैं। आप पूरी दुनिया के हीरो हैं। नेतन्याहू ने मच्छार से कहा कि जब वह स्वस्थ हो जाएं तो अतिथि के तौर पर इसाइल आएंगे। इसाइल देश उनका आभारी है। सूत्रों के मुताबिक नेतन्याहू ने कैप्टन मच्छार और प्रधानमंत्री स्ट्रेड मोदी को इसाइल के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मशाल जलाने के लिए आमंत्रित किया है। बता दें कि इसाइल का स्वतंत्रता दिवस 14 मई को मनाया जाता है। गौरतलब है कि कैप्टन रिस्त पलाईडुबई के उस विमान में सवार थे, जो दुबई से तेल अवीरा जा रहा था। इस विमान को ओमान का सह-पायलट क्रेश कर 170 से अधिक लोगों की जान लेना चाहता था। ओमान के पायलट ने उड़ान के दौरान कॉकपिट के भीतर कैप्टन रिस्त पर चाकू से जातलेवा हमला किया। भारतीय पायलट ने इस नाजुक मौके पर भी अपना हीरोलान नहीं गंवाया। अपनी जान की परवाह किए बिना कैप्टन रिस्त ने ओमान के पायलट का मुकाबला किया। विमान में सवार यात्रियों ने कॉकपिट का दरवाजा खुलने पर ओमान के पायलट को अपने कब्जे में लिया। इसी उड़ान में यात्रा कर रहे शख्स यानिब ने अपनी कुशलता का परिचय देते हुए विमान को नियंत्रित करने के बाद सफुशल सऊदी अरब में लैंड कराया। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और यानिब की मुलाकात की तस्वीर भी सामने आ चुकी है।

नेतन्याहू बोले- पीएम मोदी के साथ भारतीय पायलट आमंत्रित

यरुशलम, एजेंसी। इसाइली की आजादी के जयन्त में इस वर्ष भारतीय पायलट रिस्त मच्छार भी शरीक हो सकते हैं। कैप्टन रिस्त के सम्मान में इसाइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि वे इसाइल में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कैप्टन रिस्त और पीएम मोदी को सेलिब्रेट्री फ्लेम जलाने / थामने के लिए आमंत्रित करते हैं। नेतन्याहू ने अस्पताल में इलाज करा रहे भारतीय पायलट से बात भी की। इसाइल की आजादी से जुड़े विशेष आयोजन में आम तौर पर इसाइली नागरिक ही फ्लेम को थामने का गौरव हासिल करते हैं, लेकिन इस वर्ष नेतन्याहू ने कैप्टन रिस्त को यह सम्मान देने का एलान किया है।

पीएम नेतन्याहू ने रिस्त से फोन पर क्या कहा

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ फोन पर हुई

बातचीत के दौरान कैप्टन रिस्त ने बताया, 'हमले से पहले सह-पायलट प्रार्थना करना



चाहता था, इसलिए सम्मान के तौर पर मैंने अपना चेहरा दूसरी तरफ कर लिया।' हमले के खौफनाक लहकों को याद करते हुए कैप्टन रिस्त ने कहा कि चंद मिनटों के बाद उनके सिर के पिछले हिस्से पर जोरदार प्रहार हुआ। हमले का सिलसिला जारी रहा। शुरुआत में लगा कि विमान में कोई बहुत बड़ी तकनीकी खराबी आ गई है, लेकिन जब लगातार वार होते रहे तब उन्हें अहसास हुआ कि कॉकपिट के अंदर मौजूद दूसरा शख्स ही उन पर हमला कर रहा है। सिर पर लगातार प्रहार से उनकी नजरे पूरी तरह धुंधली हो गईं। इसी बीच विमान तेजी से नीचे की ओर गीता लगाने लगा।

कैप्टन मच्छार ने नेतन्याहू को बताया कि सह पायलट ने शुरुआत में उन्हें कॉकपिट का दरवाजा खोलने से रोकने की कोशिश की। लेकिन जमीन पर पड़े होने के बावजूद उन्होंने सोचा, मेरे अंदर अभी लड़ने की एक आखिरी ताकत बची है, अगर मैं यह नहीं करता, तो मैं